माघ कृष्ण - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 176 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 21-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आरएसएस प्रमुख को 'घृणित और राष्ट्र-विरोधी' बयान के लिए माफी मांगनी होगी : कांग्रेस

6 क्यों करोड़ों श्रद्धालु जुड़ते हैं कुंभ से ?

7 आईआईटी बाबा का जूना अखाड़े से कोई संबंध नहीं : गिरी

फर्स्ट टेक

जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में जवान शहीद

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के सोपोर इलाके में आतंकवादियों के साथ रातभर हुई मुठभेड़ में भारतीय सेना का एक जवान शहीद हो गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सोपोर पुलिस जिले के जालुरा गुज्जरपेटी में आतंकवादियों के एक ठिकाने के पास मुठभेड़ के दौरान हुई गोलीबारी में जवान घायल हो गया और मुठभेड़ स्थल से बाहर निकाले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा रविवार को आतंकवादियों के एक ठिकाने का पता लगा और इस दौरान हुई गोलीबारी के कारण सेना ने वहां घेराबंदी की। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने रात में जालुरा गुज्जरपेटी पर कड़ी निगरानी रखी और सोमवार सुबह इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों की तलाश तेज कर दी।

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने यूसीसी अधिनियम की नियमावली को मंजूरी दी

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने सोमवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) अधिनियम की नियमावली को अपनी मंजूरी दे दी। अपनी अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में धामी ने कहा कि यूसीसी अधिनियम की नियमावली को मंजूरी दे दी गई है और उसे लागू करने की तिथि की घोषणा जल्द कर दी जाएगी। धामी ने कहा, यूसीसी अधिनियम बनने के बाद हमारी प्रशिक्षण की प्रक्रिया भी लगभग पूरी हो गई है। आज मंत्रिमंडल की बैठक में हमने इसे जल्द से जल्द लागू करने को लेकर चर्चा की। सभी चीजों की समीक्षा करने के बाद हम इसे लागू करने की तारीखों का जल्द ऐलान करेंगे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने पिछले महीने दिसंबर में कहा था कि जनवरी में प्रदेश में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा।

नाइजीरिया में गैसोलीन टैंकर विस्फोट, 86 की मौत

अबुजा/एपी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य हिस्से में एक गैसोलीन टैंकर में हुए विस्फोट के बाद इस घटना में मरने वालों की संख्या 86 पहुंच गई है। देश की आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि यह विस्फोट शनिवार तड़के नाइजर प्रांत के सुलेजा क्षेत्र के पास उस समय हुआ जब कुछ लोग दुर्घटनाग्रस्त तेल के एक टैंकर से जेनरेटर का उपयोग कर गैसोलीन को दूसरे ट्रक में स्थानांतरित करने का प्रयास कर रहे थे। ईंधन स्थानांतरण करते समय उससे विस्फोट हो गया, जिसके कारण गैसोलीन स्थानांतरित करने वाले लोगों तथा आसपास खड़े लोगों की मृत्यु हो गई।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मोदी-ट्रम्प

महा शक्तियां द्वय जुड़ी,
अब ना होगा डम्प।
व्हाइट हाउस कर रहा,
मनुहारों की जम्प।
मच गया दुश्मन देश में,
फिर से यह हड़कम्प।
क्या होगा यदि जुड़ गए,
मोदी जी से ट्रम्प।।

आरजी कर मामले में दोषी संजय रॉय को आजीवन कारावास

सियालदह की अदालत ने संजय पर 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया और पश्चिम बंगाल राज्य की सरकार को मृतक चिकित्सक के परिवार को 17 लाख रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता स्थित सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पिछले साल अगस्त में एक महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार के बाद उसकी हत्या के मामले में शनिवार को दोषी करार दिए गए संजय रॉय को सियालदह की अदालत ने सोमवार को आजीवन कारवास की सजा सुनाई।

सियालदह की अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास ने शनिवार को रॉय को पिछले वर्ष नौ अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के खिलाफ किए गए जघन्य अपराध के मामले में दोषी ठहराया था। इस घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया था और पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन हुए।

अदालत ने रॉय पर 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया और राज्य सरकार को मृतक चिकित्सक के परिवार को 17 लाख रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया। न्यायाधीश दास ने कहा कि यह अपराध ''दुर्लभ से दुर्लभतम'' श्रेणी में नहीं आता, जिससे दोषी को मृत्युदंड दिया जा सके।

रॉय को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 (बलात्कार), 66 (मृत्यु का कारण बनने की सजा) और 103 (1) (हत्या) के तहत दोषी ठहराया गया था। न्यायाधीश ने कहा, सीबीआई ने मृत्युदंड देने का अनुरोध किया। बचाव पक्ष के वकील ने गुहार लगाई है कि मृत्युदंड के बजाय कारावास की सजा दी जाए...यह अपराध दुर्लभतम श्रेणी में नहीं आता है।

न्यायाधीश ने कहा कि धारा 64 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा रही है और 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया जा रहा है। न्यायाधीश ने कहा कि जुर्माना अदा न करने पर पांच महीने अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने कहा कि धारा 103(1) के तहत रॉय को आजीवन कारावास और 50,000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई जाती है और जुर्माना नहीं देने पर उसे पांच महीने अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।

न्यायाधीश ने फैसले में कहा कि इसके अतिरिक्त धारा 66 के तहत भी उसे आजीवन कारावास की सजा दी जाती है। उन्होंने कहा कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। न्यायाधीश दास ने कहा, चूंकि पीड़िता की मौत उसके कार्यस्थल अस्पताल में ड्यूटी के दौरान हुई, इसलिए राज्य की यह जिम्मेदारी है कि वह चिकित्सक के परिवार को मुआवजा दे। मृत्यु के लिए 10 लाख रुपए और दुष्कर्म के लिए सात लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश दिया जाता है।

संवाद के बिना अभिव्यक्ति अधूरी है : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि लोकतांत्रिक राजनीति संवाद पर पनपती है और संवाद के बिना अभिव्यक्ति अधूरी है। धनखड़ यहां भारतीय विद्या भवन के परिसर में नंदलाल नुआल भारत अध्ययन केंद्र के भवन की आधारशिला रखने के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए कि लोकतांत्रिक राजनीति संवाद पर पनपती है। अभिव्यक्ति और संवाद लोकतंत्र के लिए मौलिक हैं। उन्होंने कहा , अगर हमें अभिव्यक्ति का अधिकार नहीं है तो हम लोकतंत्र में रहने का दावा नहीं कर सकते और संवाद के बिना अभिव्यक्ति अधूरी है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संवाद का अभाव सर्वनाश कर सकता है। संवाद का अभाव लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए मृत्यु की घंटी हो सकता है। अलग-अलग दृष्टिकोणों पर विचार करना लोकतंत्र का अमृत है। लोकतंत्र भय या उपहास से मुक्त समावेशी संवाद के माध्यम से पनपता है। उन्होंने कहा, हमारी भारतीय संस्कृति पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि संवाद मुद्दों को हल करने का केंद्र था। हमारे शास्त्र और इतिहास इस बात पर ज़ोर देते हैं कि संवाद संघर्षों को हल करता है और समाज को बनाए रखता है।

धनखड़ ने कहा कि जब कोई सभ्यता स्वदेशी भूमि के माध्यम से अपनी जड़ों को फिर से खोजती है, तो वह न केवल जीवित रहती है, बल्कि दुनिया के भविष्य को भी आलोकित करती है। उन्होंने कहा, एक राष्ट्र के रूप में विश्व शांति और सद्भाव में योगदान देना हमारी नियति में हैं। यह राष्ट्र वसुधैव कुटुम्बकम में निहित सभी के कल्याण की भावना को आगे बढ़ाने के लिए विलक्षण तरीके से खड़ा है। उन्होंने कहा कि वेदांत, बौद्ध धर्म और जैन धर्म भारत की समावेशी दार्शनिक परंपराओं को प्रदर्शित करते हैं।

ताहिर हुसैन की जमानत याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने कहा

ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली दंगों के आरोपी पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की जमानत याचिका को लेकर सोमवार को टिप्पणी की कि ऐसे सभी व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोक दिया जाना चाहिए तथा अर्जी पर सुनवाई 21 जनवरी तक के लिए टाल दी। हुसैन ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत मांगी है। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने समय की कमी के कारण सुनवाई स्थगित कर दी, लेकिन जैसे ही पीठ उठने लगी, हुसैन के वकील ने मामले का उल्लेख किया और 21 जनवरी को सुनवाई का अनुरोध किया। पीठ ने जवाब में टिप्पणी की, जेल में बैठकर चुनाव जीतना आसान है। ऐसे सभी व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोक दिया जाना चाहिए। उनके वकील ने कहा कि हुसैन का नामांकन स्वीकार कर लिया गया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी को हुसैन को एआईएमआईएम के टिकट पर मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए हिरासत में पैरोल प्रदान की थी। हालांकि, अदालत ने चुनाव लड़ने के लिए 14 जनवरी से नौ फरवरी तक अंतरिम जमानत की उनकी याचिका को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि हिंसा में मुख्य आरोपी होने की वजह से हुसैन के खिलाफ आरोपों की गंभीरता की अनदेखी नहीं की जा सकती, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हो गई।

मुठभेड़ में दो महिला नक्सली ढेर, कोबरा कमांडो घायल

गरियाबंद/भाषा। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में दो महिला नक्सली ढेर हो गईं और सीआरपीएफ की कमांडो बटालियन का एक जवान घायल हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोबरा कमांडो की चोट मामूली है। गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक (एसपी) निखिल राखेचा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर मैनपुर पुलिस थाने के अंतर्गत जंगल में सुरक्षाकर्मियों द्वारा चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान गोलीबारी हुई। एसपी ने बताया कि छत्तीसगढ़ से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और कोबरा तथा ओडिशा से विशेष अभियान समूह (एसओजी) के जवान अभियान में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ अब भी जारी है। राखेचा ने कहा, दो महिला नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। कोबरा के एक जवान को गोली लगी है, जिसे उपचार के लिए रायपुर ले जाया गया है। उसकी हालत स्थिर है।

प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के सपने को पूरा करने में योगदान दे एनसीसी कैडेट्स : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के पूर्व कैडेट हैं और भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के उनके दृष्टिकोण को साकार करने में एनसीसी कैडेट्स को योगदान देना चाहिए।

राजनाथ सिंह ने दिल्ली छावनी में जारी गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय कैडेट कोर शिविर के दौरे पर कैडेट और अधिकारियों की एक सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि वह एनसीसी कैडेट्स में भारत की छवि देखते हैं।

देश भर से कुल 2,361 एनसीसी कैडेट एक महीने तक चलने वाले इस शिविर में भाग ले रहे हैं। यह शिविर 30 दिसंबर से शुरू हुआ है और 27 जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली के साथ इसका समापन होगा।

इस वार्षिक कार्यक्रम में 917 लड़कियां कैडेट भी भाग ले रही हैं, जो अब तक का सबसे बड़ा दल है।

एनसीसी शिविर में कैडेट्स की एकता और अनुशासन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, भारत में शरीर अनेक हो सकते हैं लेकिन आत्मा एक है, अनेक शाखाएं हैं लेकिन जड़ एक है, अनेक किरणें हैं, लेकिन प्रकाश पुंज एक है।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राजनीति में आने से पहले वह स्वयं ''एक छात्र, एनसीसी के कैडेट और भौतिक विज्ञान के शिक्षक थे। उन्होंने कहा कि कैडेट्स की ऊर्जा और उत्साह दर्शाता है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है और उज्ज्वल रहेगा। सिंह ने कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व की गुणवत्ता और अनुशासन का संचार करती है।

सिंह ने सरकार के 'विकसित भारत' विजन के बारे में भी बात की और बताया कि 1947 में मिली आजादी के 100 साल पूरे होने तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के महत्वाकांक्षी विजन को साकार करने में कैडेट क्या भूमिका निभा सकते हैं।

सिंह ने कहा, खुद एनसीसी के पूर्व कैडेट हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक 'विकसित भारत' का विजन रखा है। इसलिए, इसके मौजूदा कैडेटों की जिम्मेदारी है कि वे उनके 'विकसित भारत' सपने में योगदान दें।

अमेरिका की कमान ट्रंप के हाथों में

कहा, अमेरिका का स्वर्ण युग अभी से शुरू होता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। डोनाल्ड जे. ट्रंप ने सोमवार को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही चार साल बाद दूसरी बार राष्ट्रपति पद पर उनकी उल्लेखनीय वापसी हो गई।

ट्रंप ने शपथ ग्रहण करने के बाद अपने संबोधन में कहा, ''अमेरिका का स्वर्णिम युग अभी से शुरू होता है।'' उन्होंने कहा, ''आज के बाद से हमारा देश फिर से समृद्ध होगा और पूरी दुनिया में इसका सम्मान किया जाएगा। हर देश हमसे ईर्ष्या करेगा और कोई हमारा फायदा उठाये, हम ऐसा नहीं होने देंगे।'' ट्रंप (78) ने कहा कि वह अमेरिका को ''सर्वोपरि'' रखेंगे। उन्होंने कहा, न्याय के तराजू को फिर से संतुलित किया जाएगा। न्याय विभाग और सरकार का क्रूर, हिंसक और अनुचित हथियारीकरण समाप्त हो जाएगा।''

रिपब्लिकन पार्टी के नेता ट्रंप (78) ने एक ताकतवर व्यक्ति और एक शक्तिशाली राष्ट्रपति की दृष्टि के साथ व्हाइट हाउस में वापसी की है। साथ ही उन्होंने आव्रजन, शुल्क और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में अमेरिकी नीतियों को आक्रामक रूप से बदलने का वादा किया है।

ट्रंप ने अपने शपथ में कहा, ''मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं अमेरिका के राष्ट्रपति के पद का निष्ठापूर्वक निर्वहन करूंगा तथा अमेरिका के संविधान का अपनी पूरी क्षमता से संरक्षण, सुरक्षा और बचाव करूंगा।''

ट्रंप से पहले जे. डी. वेंस ने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया।

ट्रंप ने पांच नवम्बर के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी प्रतिद्वंद्वी एवं डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस पर शानदार जीत दर्ज की थी। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप की हत्या के इरादे से उन पर दो बार हमला किया गया। ट्रंप को राष्ट्रपति रहते दो बार महाभियोग का भी सामना करना पड़ा था। चार साल पहले, ट्रंप ने पद पर बने रहने के लिए 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने का असफल प्रयास किया था।

नवीनतम चुनाव में उनकी जीत को अमेरिकी राजनीतिक इतिहास में सबसे उल्लेखनीय जीत माना जा रहा है।

अमेरिका की राजधानी में बहुत ज़्यादा ठंड होने की वजह से शपथग्रहण समारोह कैपिटल रोटुंडा (संसद भवन के केंद्रीय कक्ष) में आयोजित किया गया। पहले इसे शपथग्रहण समारोह खुले स्थान पर आयोजित करने की योजना बनाई गई थी।

टीवी कलाकार करण वीर मेहरा बने 'बिग बॉस-18' के विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेता करणवीर मेहरा 'बिग बॉस 18' के विजेता बने हैं उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी विवियन डीसेना को हराया है।

शो के मेजबान बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने रविवार देर रात मेहरा को ट्रॉफी और 50 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की।

मेहरा को 'शन्नो की शादी, विरुद्ध, अमृत मंथन, टीवी बीवी और मैं' और 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 14' जैसे शो में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार और प्रशंसकों श्रेय दिया।

मेहरा ने 'बिग बॉस-18' जीतने के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं अपने परिवार से लेकर अपनी मां, अपनी बहन, उसके बच्चों, अपने बहनोई और अपने पिता तक कई लोगों को इसका श्रेय देना चाहूंगा। आज मेरे पिता का जन्मदिन है। इसके अलावा बिग बॉस के दर्शकों को भी, जिन्होंने शो देखा और मेरा समर्थन किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए विश्व विख्यात दक्षिण मुखी ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन के विद्वान पुजारी डॉ दिनेश गुरूजी एवं गुरु मां कोमल पुजारी का चिकपेट में एक प्रतिष्ठान में कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, अखिल भारतीय एकता मंच ट्रेड यूनियन के महामंत्री गौतम वाणीगोता, अशोक सोलंकी, मोंटी जैन, हनुमत सिंह, किशन परमार ने सम्मान किया। दिनेश गुरूजी ने उपस्थित सभी को आशीर्वाद प्रदान किया व बाबा महाकाल का प्रसाद भेंट किया।

विकास परियोजनाओं में जनशक्ति बढ़ाकर काम में तेजी लाएं : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र)/भाषा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास परियोजनाओं में जनशक्ति बढ़ाकर काम में तेजी लाई जाए।

योगी सोमवार को गोरखपुर के एनेक्सी भवन सभागार में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक के दौरान आदित्यनाथ ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए), नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल निगम और गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीआईडीए) सहित प्रमुख विभागों में परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने कहा कि किसी भी परियोजना की गति सुस्त नहीं पड़नी चाहिए। हर परियोजना समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हो, इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ यह भी जरूरी है कि हर परियोजना के लिए एक नोडल अधिकारी तय करते हुए उनसे साप्ताहिक प्रगति की रिपोर्ट ली जाए। हर परियोजना की जिलाधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी 15 दिन पर समीक्षा करें और परियोजनाओं की प्रगति को लेकर एक निश्चित अवधि पर जनप्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए एक नोडल

अधिकारी को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी जाए। नोडल अधिकारी हर सप्ताह की प्रगति की जानकारी जिलाधिकारी को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं की निगरानी करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी होनी चाहिए। अधिकारी समय-समय पर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराएं तथा उनसे मिलने वाले सुझावों पर भी ध्यान दें।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत कुछ वर्षों से गोरखपुर उद्यमियों के लिए पसंदीदा स्थल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे उद्यमियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान करें।

कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति 'बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने' की नीति बरकरार रहनी चाहिए। माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई का क्रम थमना नहीं चाहिए। योगी ने गो तस्करों को चिह्नित करने और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की भी हिदायत दी। उन्होंने पुलिस की गश्त बढ़ाने और पीआरवी की 'प्रतिक्रिया अवधि' को और उत्कृष्ट करने के निर्देश दिए।

योगी ने यातायात प्रबंधन को और सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सड़कों पर गाड़ियां न खड़ी रहें, सभी वाहन तय पार्किंग स्थल पर खड़े हों और टेम्पो को भी निर्धारित स्टैंड पर ही खड़ा किया जाए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि ऑटो या ई-रिक्शा की स्टीयरिंग नाबालिगों के हाथ में न हो।

समीक्षा बैठक से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एनेक्सी भवन के प्रथम तल पर बने सभागार कक्ष का उदघाटन किया।

महिलाओं ने 'हेल्पिंग हैंड्स' नाम ने की जरुरतमंदों की सेवा व सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के प्रेस्टिज वेस्टवुड अपार्टमेन्ट में रहने वाली महिलाओं ने हेल्पिंग हैंडस नामक संस्था का गठन कर मानवसेवी कार्यों का आयोजन किया। इस संस्था में सीमा बोहरा, मीनाक्षी मेहता, नीता सांखला, रचना सिंघवी, दिव्या पुनमिया, अंकिता गन्ना, विशाखा करबावाला, प्रियंगा बेंगानी, निकिता शाह और लक्ष्मी मोदी ने मानव व जीवदया के क्षेत्र में अपनी सहयोग के हाथ बढ़ाकर गौशाला में गायों को घास व कबूतरों को दाना डाला। इसके अलावा नेत्रहीन व्यक्तियों की सेवा करने वाली संस्था विष्णुनाथ ट्रस्ट के 150 परिवारों को एक माह का राशन उपलब्ध कराया।

नीतीश कुमार ने पटना में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से यहां मुलाकात की जो अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए पटना आए हैं।

जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष कुमार मुख्यमंत्री आवास से कुछ ही दूरी पर स्थित राजभवन पहुंचे, जहां राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के निमंत्रण पर बिरला पहुंचे थे।

बाद में, बिरला ने 'एक्स' पर कुमार के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की और लिखा बिहार विधान मंडल में आयोजित हो रहे पीठासीन अधिकारियों के 85वें अखिल भारतीय सम्मेलन में सम्मिलित होने से पूर्व बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी से मुलाकात हुई। उनके स्नेहपूर्ण आतिथ्य से अभिभूत हूँ।

बिरला ने बिहार पुलिस की महिला बटालियन द्वारा दिए गए गार्ड ऑफ ऑनर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में गार्ड ऑफ ऑनर की तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा, 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के लिए बिहार विधान मंडल भवन पहुँचने पर बिहार पुलिस की महिला बटालियन के द्वारा पारंपरिक गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। बिहार की नारी शक्ति को नमन। उन्होंने आगे लिखा है, 43 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बिहार के पटना में तीसरी बार अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। मुझे आशा है कि यह सम्मेलन हमारी विधायी परंपराओं को और अधिक सुदृढ़ एवं समृद्ध बनाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

बिरला ने एक और तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लेने के लिए पटना (बिहार) आए देश के विभिन्न विधानमंडलों के अध्यक्षों के साथ यादगार छायाचित्र।

प्रदर्शन

नई दिल्ली में डीजी एनसीसी आरडीसी-2025 कैंप, करिअप्पा परेड ग्राउंड, दिल्ली कैंट में एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2025 के दौरान प्रदर्शन करते हुए।

जैन कॉन्फ्रेन्स युवा शाखा ने किया प्रांतीय अध्यक्ष बुरड़ का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इण्डिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक प्रांत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश बुरड का जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक युवा शाखा के सदस्यों की ओर से सम्मान किया गया। युवा टीम ने कहा कि बुरड़ की नियुक्ति से जैन कॉन्फ्रेंस को और जैन समाज को नई दिशा और शक्ति मिलेगी।

उनका जीवन हमेशा सेवा, सद्भावना और समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा है। हम सभी उनके कुशल नेतृत्व में समाज नई ऊंचाइयों पर पहुंचे यही मंगल कामना करते हैं।

इस अवसर पर कर्नाटक युवा शाखा से विकास कोठारी, सुनील लोढ़ा, मनोज बोहरा, आशीष भंसाली, भरत कोठारी, राकेश लोढ़ा, प्रवीण सिंघवी, अनिल बंब, प्रदीप बोहरा, सुनील बंब, सुमित कोठारी, विशाल छल्लानी, विकास भलगट, शीतल ुणावत, किशोर बाफ़ना ने बुरड़ का सम्मान किया। नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रकाशबुरड़ ने कहा कि शीघ्र ही युवाओं की एक एक सशक्त टीम का गठन किया जाएगा।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए सालाना 15 लाख करोड़ रुपए के बजट की जरूरत : मांडविया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने और सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने को सरकार का बुनियादी ढांचा निवेश बजट अगले 25 साल तक वर्तमान 11.5 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 15 लाख करोड़ रुपए प्रति वर्ष होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए)- कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'फॉर्मलाइजेशन एंड सोशल सिक्योरिटी कवरेज फॉर वर्कर्स इन इनफॉर्मल सेक्टर चेलेंजिस एंड इनोवेशन' के उदघाटन के दौरान मांडविया ने कहा कि 2012 में बुनियादी ढांचे पर निवेश का बजट 1.2 लाख करोड़ रुपए था लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार आने के बाद, 2014 में यह बजट बढ़कर 2.4 लाख करोड़ रुपए हो गया। उन्होंने कहा, 2024 में बजट 11.5 लाख करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

ट्रंप में वैश्विक स्तर पर मौजूदा परिवेश को नया रूप देने की क्षमता : बिड़ला

नई दिल्ली/भाषा

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी हो रही है और उनमें वैश्विक स्तर पर मौजूदा परिवेश को नया रूप देने की क्षमता है, जिसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

बिड़ला ने 2024-25 को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए लिखा है कि विनिर्माण के लिए वैश्विक स्तर पर नए सिरे से कदम एक स्वागतयोग्य बदलाव है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक मजबूती और विविधीकरण की ओर एक कदम का संकेत है। भारत को अक्सर अपनी औद्योगिक क्षमताओं के लिए कम सराहा जाता है, लेकिन वह इस क्षण का लाभ उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि 2025 में, हमारा यू3 दुनिया यानी अनिश्चितता, अप्रत्याशित और अपरंपरागत दुनिया से सामना होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि हम एक अनिश्चित दुनिया को गले लगाएंगे लेकिन उससे कोई लड़ाई नहीं होगी।

बिड़ला ने कहा, ...यह बदलाव हमारे युग के विरोधाभास को अच्छी तरह से परिभाषित कर सकता है कि दुनिया संभावनाओं से भरी है लेकिन अस्पष्टता से घिरी हुई है।

कभी-कभी, ऐसा महसूस हो

सकता है कि सोशल मीडिया पर नई दुनिया को आकार दिया जा रहा है। हालांकि, वास्तविकता रील की तुलना में कहीं अधिक जटिल और परिणामी है।

बिड़ला ने कहा, एक चीज इस साल को प्रभावित कर सकती है, वह वह 'टी फैक्टर यानी द ट्रंप फैक्टर। उन्होंने कहा, इसमें वैश्विक स्तर पर मौजूदा स्थिति को नया रूप देने की क्षमता है, जिसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

बिड़ला ने कहा कि अमेरिका लंबे समय से भारत के बाहर आदित्य बिड़ला समूह के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजार रहा है। इसमें 15 अरब डॉलर से अधिक का निवेश शामिल है, जिसमें वर्तमान में चार अरब डॉलर की नई परियोजना का विस्तार भी जुड़ा है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि भारत-अमेरिकी संबंधों की जो ताकत है, उससे आने वाले वर्षों में रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे।

बिड़ला ने कहा कि विनिर्माण के लिए नए सिरे से वैश्विक कदम एक स्वागतयोग्य बदलाव है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक मजबूती और विविधीकरण की दिशा में एक कदम का संकेत है।

बिड़ला ने कहा, भारत को अक्सर औद्योगिक क्षमताओं के लिए कम सराहा गया है। लेकिन हमारा देश इस क्षण का लाभ उठाने के लिए तैयार है। एप्पल का भारत में आना इस बदलाव का प्रतीक है; जल्द ही, दुनिया के एक-चौथाई आईफोन भारत में बनाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का वाहन परिवेश भी एक वैश्विक केंद्र के रूप में परिपक्व हो गया है। यहां से अब दुनिया भर के बाजारों में कलपुर्जों और वाहनों का निर्यात किया जा रहा है।

भारत के सीमेंट उद्योग की बात की जाए तो यह दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है। इस क्षेत्र ने शहरों से लेकर गांवों तक भारत के बुनियादी ढांचे के साथ आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया है और नौकरियां सृजित की हैं।

बिड़ला ने कहा, अल्ट्राटेक आज अमेरिका के कुल सीमेंट उत्पादन का 1.5 गुना से अधिक उत्पादन करती है और यूरोप की कुल क्षमता का 80 प्रतिशत से अधिक की क्षमता कंपनी के पास है। उन्होंने कहा, मेरे लिए, यह भारत की बढ़ती औद्योगिक ताकत और वैश्विक विनिर्माण पुनर्जागरण में एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में उभरने का प्रतीक है।

रोहित की कप्तानी में मैंने सीखा है कि किसी खिलाड़ी का ख्याल कैसे रखना है : पंत

कोलकाता/भाषा

लखनऊ सुपर जायंटस (एलएसजी) के नवनियुक्त कप्तान ऋषभ पंत ने सिर्फ भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय टीम के अन्य सीनियर खिलाड़ियों से भी नेतृत्व कौशल सीखा है।

एलएसजी ने एक नए सफर की शुरुआत करते हुए पंत पर भरोसा जताया है जो अपनी निडर बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं। 2017 में विराट कोहली के नेतृत्व में पदार्पण करने वाले पंत प्रेरणादायी महेंद्र सिंह धोनी के साथ भी खेले हैं।

लखनऊ फ्रेंचाइजी का कप्तान नियुक्त जाने के बाद पंत ने कहा, हां, मैंने बहुत से कप्तानों और अपने कई सीनियर खिलाड़ियों से नेतृत्व के बारे में सीखा है क्योंकि मुझे लगता है कि आपको सिर्फ अपने कप्तान से ही नहीं सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस तरह से खेल आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए काफी सीनियर खिलाड़ी हैं जिन्हें खेल का अनुभव है। आप सिर्फ कप्तान से ही नहीं, बल्कि सभी वरिष्ठ खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

रोहित के नेतृत्व में अपने अनुभव से प्रेरणा लेते हुए पंत ने टीम की कप्तानी करते समय ख्याल रखने और भरोसे की अहमियत पर बात करते हुए कहा, बहुत सटीक होना मुश्किल है। रोहित भाई के साथ, मैंने सीखा है कि किसी खिलाड़ी का ख्याल कैसे रखा जाता है। और जब मैं टीम की कप्तानी करता हूं तो कप्तान के तौर पर ऐसा ही महसूस करता हूं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप किसी खिलाड़ी पर भरोसा दिखाते हैं तो वह आपके और टीम के लिए ऐसी चीजें करेगा जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। और हम यही विचारधारा अपनाना पसंद करेंगे।

एलएसजी ने पंत को 27 करोड़ रुपए में खरीदा जिसके बाद वह आईपीएल इतिहास में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी कर चुके पंत ने कहा, हम खिलाड़ियों का समर्थन करेंगे।

हम उन्हें भरोसा दिलाने की कोशिश करेंगे। हम स्पष्ट संवाद करेंगे।

पिछले साल अपने वापसी के सत्र में पंत 446 रन बनाकर दिल्ली कैपिटल्स के शीर्ष स्कोरर रहे लेकिन फ्रेंचाइजी प्लेऑफ में जगह बनाने में विफल रही और छठे स्थान पर रही।

पंत की अगुआई की सबसे अहम चीज होगी 'कभी हार नहीं मानना। उन्होंने कहा, एक चीज जो अहम है कि कभी हार नहीं मानने का जज्बा। आप आखिरी गेंद तक लड़ते हैं और यही वह चीज है जिस पर मैं हमेशा जोर देता हूं।

पंत ने 2016 में जहीर खान के मार्गदर्शन में अपना आईपीएल करियर शुरू किया था और वह फिर से भारत के पूर्व तेज गेंदबाज के साथ जुड़ेंगे जो अब एलएसजी के 'मेंटोर' हैं।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के जाने से खाली हुई जगह पर काबिज होने वाले जहीर ने पंत के करियर की प्रगति की सराहना की और कहा कि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज के पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है।

जहीर ने कहा, आपको एक बेहतरीन क्रिकेटर के रूप में विकसित होते देखना, उतार-चढ़ावों के माध्यम से गुजरते हुए देखना तथा एक ऐसे बल्लेबाज, ऐसे क्रिकेटर के रूप में विकसित होते देखना, नए मानक स्थापित करना, खेल को अलग तरह से देखना, खेल की एक नई शैली को प्रेरित करना, ये कुछ ऐसी चीजे हैं जो बहुत सराहनीय है। उन्होंने कहा, एक साथ हमें बहुत कुछ हासिल करना है और आपके पास व्यक्तिगत रूप से क्रिकेट के इस खूबसूरत खेल को देने के लिए बहुत कुछ है।

छत्तीसगढ़ के भूमिहीन मजदूरों को मिलेंगे 10,000 रुपए प्रति वर्ष: मुख्यमंत्री

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रति वर्ष 10,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना शुरू की और कहा कि इस उपाय से उनकी आय बढ़ेगी और उनका भविष्य सुरक्षित होगा। सरकार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत 5.62 लाख से अधिक लाभार्थियों को कवर किया जाएगा।

रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में योजना को शुरू करने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए साय ने कहा कि इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2023 के चुनाव से पहले राज्य की जनता को दी गई एक और गारंटी (चुनावी वादा) पूरी हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत भूमिहीन खेत मजदूरों को सालाना 10,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में बड़ी आबादी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है।

तैनाती

सोपोर के जालोरा इलाके में मुठभेड़ स्थल के पास सुरक्षाकर्मी।

मदुरै में एससी लड़के की पिटाई करने, उसे अपने पांव पर गिराने के आरोप में छह के खिलाफ मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले में उसिलामपट्टी पुलिस ने अनुसूचित जाति (एससी) के एक लड़के की पिटाई करने और पैरों पर गिरने के लिए मजबूर करने के आरोप में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 16 जनवरी की इस घटना के संबंध में 19-वर्षीय लड़के द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की।

पुलिस ने बताया कि छह व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 351(2) के अलावा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(1)(आर) और 3(1)(एस) के तहत मामले दर्ज किए गए।

अपनी शिकायत में उसिलामपट्टी में संकमपट्टी के रहने वाले किशोर ने कहा कि कुछ महीने पहले पुरत्तासी त्योहार के दौरान जब वह गांव में घुटनों तक धोती मोड़कर घूम रहा था, तो छह हिंदुओं ने उसे बुरा-भला कहा। इस पर उनके बीच बहस हुई और फिर झड़प हो गई।

पुलिस ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को दखते हुए लड़का कुछ दिनों तक गांव से बाहर रहा और पोंगल त्योहार की छुट्टियों पर घर लौटा। गांव लौटने पर उसे 'जबरन' एक सुनसान जगह पर ले जाया गया और उसके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने कथित तौर पर जातिवादी टिप्पणी की और उसके साथ मारपीट की।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसे छह लोगों के पैरों पर गिरने के लिए मजबूर किया गया और बाद में उसे कड़ी चेतावनी देकर जाने दिया गया।

यहां पुलिस ने एक बयान में दावा किया कि किशोर की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने इस बात से इनकार किया है कि संदिग्धों ने लड़के पर पेशाब किया था।

चेन्नई के श्रद्धालु ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को दान में दिए छह करोड़ रुपए

तिरुपति। चेन्नई के एक श्रद्धालु ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को छह करोड़ रुपये दान में दिए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालु वर्धमान जैन ने श्री वेंकटेश्वर भक्ति चैनल (एसवीबीसी) को पांच करोड़ रुपये और श्री वेंकटेश्वर गोसंरक्षण ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये दान में दिए। रविवार रात टीटीडी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, तिरुमला मंदिर के रंगनायकुला मंडपम में उन्होंने एसवीबीसी के लिए टीटीडी को पांच करोड़ रुपये और एसवी गोसंरक्षण ट्रस्ट के लिए एक करोड़ रुपये के डिमांड ड्राफ्ट सौंपे। एसवीबीसी टीटीडी का टेलीविजन चैनल है जो असंख्य भक्ति कार्यक्रमों का प्रसारण करके हिंदू धर्म का प्रचार प्रसार करता है, जबकि एसवी गोसंरक्षण ट्रस्ट गायों की रक्षा और इसके आध्यात्मिक महत्व पर जोर देने पर केंद्रित है।

वन्यजीव नियमों का उल्लंघन हुआ तो कांतारा-2 की शूटिंग पर रोक लगा दी जाएगी : खांद्रे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर बी. खांद्रे ने सोमवार को चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान अगर खुलासा हुआ कि हासन जिले में फिल्म 'कांतारा-2' की शूटिंग के दौरान निर्माण दल (क्रू) के सदस्यों ने नियमों का उल्लंघन करके वन्यजीवों या वनस्पतियों को नुकसान पहुंचाया है तो शूटिंग पर रोक लगा दी जाएगी। सूत्रों ने कहा कि स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म के क्रू ने शूटिंग के दौरान विस्फोटकों का इस्तेमाल करके हासन जिले के हेरुर गांव के गवीबेट्टा और उसके आसपास के इलाकों में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है।

क्रू ने कथित तौर पर जंगल में भी काफी अंदर तक जाकर शूटिंग की है, जबकि शूटिंग की अनुमति गांव के चरागाह तक ही सीमित है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने वीडियो संदेश में चेतावनी देते हुए कहा, ''किसान पहले से ही जंगली हाथियों के हमलों से जूझ रहे हैं। वनों की रक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बावजूद, अधिकारी लापरवाह हैं। आगे होने वाले नुकसान को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।'

' यह असत्यापित वीडियो सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हो रहा है। इस बीच, विधान सौध में पत्रकारों के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए खांडरे ने कहा कि होम्बले फिल्म्स की टीम ने गावीबेट्टा और आसपास के संरक्षित वन के किनारे 23 दिन तक फिल्म की शूटिंग करने की अनुमति मांगी थी।

उन्होंने कहा कि हासन के उप वन संरक्षक ने इसके लिए सशर्त अनुमति दी है। खांद्रे ने कहा, ''हालांकि, मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि कांतारा की टीम शूटिंग के दौरान विस्फोटकों का इस्तेमाल कर रही है, जिससे वन्यजीवों को परेशानी हो रही है। इस बारे में जानकारी मिलते ही मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आज (सोमवार) उस जगह का दौरा कर स्थिति का जायजा लें।'' खांडरे बीदर जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं।

उन्होंने कहा कि यदि फिल्म क्रू शर्तों का उल्लंघन करता है और वन्यजीवों या वनस्पतियों को कोई नुकसान पहुंचाता है, तो अधिकारी तुरंत शूटिंग रोककर कार्रवाई कर सकते हैं। सोमवार को जारी आदेश में खांडरे ने वन, पर्यावरण एवं जीव विज्ञान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को यथाशीघ्र शूटिंग स्थल का दौरा करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने येसलूर पुलिस थाना में शिकायत भी दर्ज कराई है।

केरल की अदालत ने प्रेमी की हत्या के मामले में महिला को मौत की सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल की एक अदालत ने एक महिला को 2022 में उसके प्रेमी की हत्या करने के जुर्म में सोमवार को मौत की सजा सुनाई। नेय्याट्टिनकरा अतिरिक्त जिला सत्र न्यायालय ने मामले में तीसरी आरोपी एवं महिला के रिश्तेदार निर्मलकुमारन नायर को भी तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। दोषी ग्रीष्मा (24) ने अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों, पूर्व में कोई आपराधिक इतिहास नहीं होने और अपने माता-पिता की इकलौती बेटी होने का हवाला देते हुए सजा में नरमी का अनुरोध किया था। अदालत ने अपने 586 पृष्ठ के फैसले में कहा कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषी की उम्र पर विचार करने की कोई आवश्यकता नहीं है। ग्रीष्मा को शेरोन राज की हत्या के लिए सजा सुनाई गई है जो तिरुवनंतपुरम जिले के परसाला के मूल निवासी थे।

अभियोजक के अनुसार, अदालत ने यह भी पाया कि दोषी ने चरणबद्ध तरीके से अपराध को अंजाम देने की साजिश रची थी, उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि थी। इससे पहले भी दोषी ने युवक की हत्या का प्रयास किया था और जांच को भटकाने के लिए गिरफ्तारी के बाद आत्महत्या की कोशिश की थी। फैसले पर संतोष व्यक्त करते हुए पीड़ित की मां प्रिया ने पत्रकारों से कहा कि वह ये आदेश जारी करने के लिए अदालत की आभारी हैं। विशेष लोक अभियोजक वी. एस. विनीत कुमार ने पत्रकारों को बताया कि फैसला पूरी तरह न्यायोचित है और अदालत ने कहा कि यह मामला बहुत दुर्लभतम श्रेणी में आता है।

उन्होंने बताया, अदालत ने कहा कि दोषी शातिर अपराधी है, जिसने बड़ी सावधानी से इस क्रूर हत्या की साजिश रची थी। अदालत ने ग्रीष्मा के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। इसमें कहा गया था कि 22 अगस्त 2022 को उसने पैरासिटामोल की गोलियों को फलों के रस में मिलाकर शेरोन को जहर देने का प्रयास किया था। हालांकि, उसने फलों के रस के कड़वे स्वाद का हवाला देते हुए इसे पीने से इनकार कर दिया जिससे यह प्रयास विफल हो गया।

फैसले का स्वागत करते हुए, जांच की निगरानी करने वाली तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डी. शिल्पा ने कहा कि यह पुलिस जांच दल के संयुक्त प्रयासों की जीत है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, जांच के विभिन्न चरणों में हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन अधिकारियों के संयुक्त प्रयासों से मामले को सुलझाने में मदद मिली। तत्कालीन जांच अधिकारी, डीएसपी के.वाई. जॉनसन ने कहा, आरोपी ने गूगल पर धीमे जहर के बारे में सर्च किया और उसे 'पैराक्वाट' का पता चला।

कर्नाटक में केरल के व्यापारी पर हमला, 1.50 लाख रुपये की नकदी लूटी

मैसुरु। कर्नाटक के मैसुरु में चार नकाबपोश बदमाशों के एक समूह ने सोमवार को केरल के एक व्यापारी पर कथित तौर पर हमला किया और उसकी कार को जबरन रोककर डेढ़ लाख रुपये से भरा बैग लूट लिया। हमलावर बाद में उसकी गाड़ी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना कैमरे में दर्ज हो गई, जिसमें चार लोग व्यापारी को उसके वाहन से घसीटते हुए बाहर निकालते हैं और धक्का देते हुए कुछ दूर ले जाते हैं। पुलिस के अनुसार, यह घटना मैसूरु तालुक के जयापुरा होबली के पास हरोहल्ली गांव में सुबह करीब 9.15 बजे हुई। दो कारों में सवार नकाबपोश लोगों ने व्यवसायी की कार को कथित तौर पर जबरन रोक लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि व्यवसायी अशरफ को कोई चोट नहीं आई है, लेकिन उसके चालक सूफी के एक हाथ में चोट आई है। अपनी शिकायत में अशरफ ने कहा कि वह सुल्तान बाथरी से एचडी कोटे जा रहा था और उसके पास एक बैग था, जिसमें 1.50 लाख रुपये नकद थे। उसके मुताबिक, इस रकम का इस्तेमाल सुपारी खरीदने के लिए अग्रिम भुगतान के तौर पर किया जाना था।

मंडला-मकरविलक्कु महोत्सव का समापन, सबरीमला मंदिर के कपाट बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सबरीमला। सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर में मंडला-मकरविलक्कु महोत्सव समाप्त हो गया जिसके बाद मंदिर को सोमवार सुबह औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोमवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2024-25 की तीर्थयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। टीडीबी के प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार इस दौरान लगभग 53 लाख भक्त सबरीमला आए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पंडालम शाही परिवार के प्रतिनिधि त्रिकेत्तनल राजराजा वर्मा के दर्शन करने के बाद सुबह 6.30 बजे मंदिर को बंद कर दिया गया। इससे पहले मंदिर सुबह पांच बजे खोला गया और दिन की शुरुआत पूर्वी मंडपम में गणपति होमम के साथ हुई।

विज्ञप्ति के अनुसार बाद में मेलशांति अरुण कुमार नम्बूदरी ने अयप्पा की मूर्ति पर विभूतियाभिषेकम अनुष्ठान किया, उन्हें रुद्राक्ष की माला पहनाई और उसके हाथ में योग छड़ी दी। 'हरिवरासनम' के पाठ के बाद मेलशांति ने मंदिर के दीप बुझा दिए और आधिकारिक तौर पर गर्भगृह को बंद कर दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंदिर की चाबियां राजपरिवार के सदस्य को सौंप दी गईं।

इसमें कहा गया है कि 18 पवित्र सीढ़ियां उतरने के बाद पारंपरिक कार्यक्रम पूर्ण हुआ और राजपरिवार के सदस्य ने चाबी का गुच्छा सबरीमला के प्रशासनिक अधिकारी बीजू वी नाथ को सौंप दिया। इस दौरान देवस्वोम के प्रतिनिधि और मेलशांति मौजूद थे। इसके बाद शाही प्रतिनिधि और उनका काफिला पंडालम पैलेस के लिए रवाना हो गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि तिरुवभरणम यात्रा 23 जनवरी को पंडालम पहुंचेगी।

केरल की अदालत ने प्रेमी की हत्या के मामले में महिला को मौत की सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल की एक अदालत ने एक महिला को 2022 में उसके प्रेमी की हत्या करने के जुर्म में सोमवार को मौत की सजा सुनाई। नेय्याट्टिनकरा अतिरिक्त जिला सत्र न्यायालय ने मामले में तीसरी आरोपी एवं महिला के रिश्तेदार निर्मलकुमारन नायर को भी तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। दोषी ग्रीष्मा (24) ने अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों, पूर्व में कोई आपराधिक इतिहास नहीं होने और अपने माता-पिता की इकलौती बेटी होने का हवाला देते हुए सजा में नरमी का अनुरोध किया था। अदालत ने अपने 586 पृष्ठ के फैसले में कहा कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषी की उम्र पर विचार करने की कोई आवश्यकता नहीं है। ग्रीष्मा को शेरोन राज की हत्या के लिए सजा सुनाई गई है जो तिरुवनंतपुरम जिले के परसाला के मूल निवासी थे। अभियोजक के अनुसार, अदालत ने यह भी पाया कि दोषी ने चरणबद्ध तरीके से अपराध को अंजाम देने की साजिश रची थी, उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि थी। इससे पहले भी दोषी ने युवक की हत्या का प्रयास किया था और जांच को भटकाने के लिए गिरफ्तारी के बाद आत्महत्या की कोशिश की थी। फैसले पर संतोष व्यक्त करते हुए पीड़ित की मां प्रिया ने पत्रकारों से कहा कि वह ये आदेश जारी करने के लिए अदालत की आभारी हैं। विशेष लोक अभियोजक वी. एस. विनीत कुमार ने पत्रकारों को बताया कि फैसला पूरी तरह न्यायोचित है और अदालत ने कहा कि यह मामला बहुत दुर्लभतम श्रेणी में आता है।

उन्होंने बताया, अदालत ने कहा कि दोषी शातिर अपराधी है, जिसने बड़ी सावधानी से इस क्रूर हत्या की साजिश रची थी। अदालत ने ग्रीष्मा के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। इसमें कहा गया था कि 22 अगस्त 2022 को उसने पैरासिटामोल की गोलियों को फलों के रस में मिलाकर शेरोन को जहर देने का प्रयास किया था। हालांकि, उसने फलों के रस के कड़वे स्वाद का हवाला देते हुए इसे पीने से इनकार कर दिया जिससे यह प्रयास विफल हो गया।

फैसले का स्वागत करते हुए, जांच की निगरानी करने वाली तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डी. शिल्पा ने कहा कि यह पुलिस जांच दल के संयुक्त प्रयासों की जीत है।

दावोस में कर्नाटक सरकार की अनुपस्थिति को लेकर भाजपा ने साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की बैठक में कर्नाटक की अनुपस्थिति को लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के पास राज्य की 'भारत की स्टार्टअप राजधानी' होने के खोए गौरव को पुनः प्राप्त करने के लिए कोई कार्ययोजना नहीं है, न ही वह इसके लिये कोई प्रयास करती नजर आती है। विजयेंद्र ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार 'भारत की स्टार्टअप राजधानी' का प्रतिष्ठित खिताब महाराष्ट्र के हाथों छिन जाने के बाद भी गहरी निद्रा में सोई हुई है।

उन्होंने कहा कि उनकी निष्क्रियता सामने आ गई है। राज्य के खोए हुए गौरव को वापस पाने के लिए उनके पास कोई कार्ययोजना, तत्परता और प्रयास नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, जख्म पर नमक छिड़कते हुए, कर्नाटक दावोस में होने वाले डब्ल्यूईएफ(विश्व आर्थिक मंच) 2025 से अनुपस्थित है, जहां महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे अन्य राज्य वैश्विक निवेश के प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस की प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं: भविष्य की बजाय मुफ्त सुविधाएं, नवाचार की बजाय स्थिरता। भाजपा नेता ने कर्नाटक की सिद्दरामय्या सरकार पर शून्य विकास सरकार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस कर्नाटक को विफल राज्य बना चुकी है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या केपीसीसी अध्यक्ष और डीसीएम डीके शिवकुमार और अन्य लोग सोमवार को बेलगावी में कांग्रेस के सम्मेलन जय बापू, जय भीम, जय संविधान के अवसर पर सुवर्ण विधान सौधा में गांधी प्रतिमा की स्थापना का निरीक्षण करते हुए।

आरएसएस प्रमुख को 'घृणित और राष्ट्र-विरोधी' बयान के लिए माफी मांगनी होगी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक के बेलगावी में अपनी 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली' से एक दिन पहले सोमवार को आरोप लगाया कि वर्तमान समय में भारत के संविधान और उसके मूल्यों पर आक्रमण हो रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के एक हालिया बयान का हवाला देते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन को लेकर दिए अपने घृणित और राष्ट्र-विरोधी बयान के लिए उन्हें माफी मांगनी होगी।

भागवत ने बीते 13 जनवरी को कहा था कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाई जानी चाहिए क्योंकि अनेक सदियों से दुश्मन का आक्रमण झेलने वाले देश को सच्ची स्वतंत्रता इसी दिन मिली। रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, कल कांग्रेस की 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली' बेलगावी में होगी। यह 27 दिसंबर, 2024 को होनी थी, लेकिन डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

बेलगावी में ही महात्मा गांधी ने 26 दिसंबर, 1924 को कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाला था। आज महात्मा गांधी का अपमान किया जा रहा है। डॉ. आंबेडकर पर हमला किया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के संविधान और उसके मूल्यों पर आक्रमण हो रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, बेलगावी की रैली महात्मा गांधी और डॉ. आंबेडकर की विरासत को संरक्षित करने और उन्हें आगे ले जाने के कांग्रेस के दृढ़ संकल्प की पुष्टि है। इसके बाद 27 जनवरी को डॉ. आंबेडकर की जन्मभूमि महू में भी इसी तरह की रैली होगी।

रमेश ने कहा, मोहन भागवत को स्वतंत्रता आंदोलन को लेकर दिए अपने घृणित और राष्ट्र-विरोधी बयान के लिए माफी मांगनी होगी। केंद्रीय गृह मंत्री को 17 दिसंबर, 2024 को संसद में डॉ. आंबेडकर पर की गई अपनी अपमानजनक टिप्पणी के लिए इस्तीफा देना होगा और माफी मांगनी होगी।

मंत्री एन चालुवरायस्वामी सोमवार को बेंगलूरु में अंतर्राष्ट्रीय जैविक और बाजरा व्यापार मेला पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

प्रदेश सरकार राज्य के स्वास्थ्य ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केरू का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जनरल ओपीडी, इंजेक्शन एवं ड्रेसिंग कक्ष, लेबोरेटरी कक्ष,लेबर रूम, टीकाकरण कक्ष,पंजीकरण रजिस्टर एवं दवाओं के स्टॉक का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य के स्वास्थ्य ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा नवीन सरकार गठन के पश्चात एक वर्ष में लूणी विधानसभा क्षेत्र में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से 23 करोड़ 54 लाख 92 हजार रूपये के अवसंरचना विकास संबंधी कार्य स्वीकृत करवाए गए।

पटेल ने कहा क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र में अनेक सौगातें मिली हैं जिसमें सांगरिया सैटलाइट अस्पताल क्षेत्रवासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। सभी कार्मिकों को समय पर अस्पताल में उपस्थित रहने के निर्देश संसदीय कार्य मंत्री ने अभियान चलाकर अस्पताल परिसर एवं सभी वार्ड्स में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने सभी कार्मिकों को निर्देश दिए कि अस्पताल में समय पर उपस्थित रहकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराएं।

पटेल ने बीसीएमओ को क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों में अधिकाधिक औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर, आवश्यक सामग्री एवं शुद्ध पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो, चिकित्सक इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने अस्पताल के वार्डों के अवलोकन के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर राज्य सरकार द्वारा मिल रही निःशुल्क दवा,निःशुल्क जांच सहित अन्य सुविधाओं का फीडबैक लिया। साथ ही प्रसूताओं को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कंबल का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राजस्थान के अनेक इलाकों में घना कोहरा छाया रहा

जयपुर। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी के बीच सोमवार को भी अनेक इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार सुबह तक के चौबीस घंटों के दौरान राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहा। राज्य के अनेक इलाकों में लगातार घना कोहरा छाया हुआ है। इस दौरान न्यूनतम तापमान पाली में 6.8 डिग्री सेल्सियस, जैसलमेर व गंगानगर में 8.9 डिग्री सेल्सियस, पिलानी में 9.2 डिग्री सेल्सियस, सिरोही में 9.3 डिग्री सेल्सियस और अलवर में 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अनुसार एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से 22 जनवरी को जयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं बारिश होने का अनुमान है।

नागौर जिले में सड़क हादसे में दो की मौत

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में सोमवार को सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई व चार घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार नागौर-बीकानेर राजमार्ग पर यह हादसा एक पिकअप वैन और ट्रक के बीच टक्कर के कारण हुआ। पिकअप वैन नागौर से कुचेरां सब्जियां लेकर जा रही थी। वैन चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए।

दिल्ली सरकार और केंद्र की लड़ाई में पिस रही है जनता : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच वर्चस्व की लड़ाई में वहां की जनता पिस रही है। पायलट ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस पार्टी एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरी है और दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस को जनादेश देगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने लोगों को कुछ गारंटी दी हैं। दिल्ली की जनता शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली पूर्व कांग्रेस सरकार के तहत हुए विकास को आज भी याद कर रही है।

उन्होंने कहा, हम मजबूती से लड़ेंगे और कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बारे में कहा कि जब गठबंधन बना था, तब पार्टी नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे लोकसभा चुनाव के लिए सभी दलों को एक साथ लाए और परिणाम अच्छे रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला करने के लिए लिए 'इंडिया' गठबंधन पहले भी मजबूत था और आज भी मजबूत है।

सत्तर सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए मतदान पांच फरवरी को होगा और नतीजे आठ फरवरी को घोषित किये जायेंगे।

चेन्नई ल मंगलवार क21-01-20255

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नेतृत्व मॉडल राज्यों में सबसे कमजोर नेता को सत्ता सौंपता है ताकि सरकार को दिल्ली से चलाया जा सके। डोटासरा ने जयपुर में कांग्रेस सेवा दल की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

डोटासरा ने कहा, आजकल भाजपा में एक नया मॉडल चल रहा है। कोई भी पपेट (कठपुतली) बिठाओ, सबसे कमजोर व्यक्ति को लाओ किसी भी राज्य के अंदर उसे सत्ता सौंप दो और दिल्ली से सरकारें चलाओ। पर्ची भेज दो, आंख बंद करके अगला हस्ताक्षर करे, पर्ची के मुताबिक काम करे। उन्होंने कहा, ये मॉडल देश, प्रदेश व लोगों के लिए खतरनाक है। कांग्रेस नेता ने कहा, इन (भाजपा) का एक ही मॉडल है राज्यों में किसी न किसी ऐसे व्यक्ति को बिठाओ जो ज्यादा अपना दिमाग नहीं लगाए, अपना निर्णय नहीं कर पाए, दिल्ली की पर्चियों से निर्णय करे। डोटासरा ने कहा, ऐसे लोगों को ये बनाएंगे। इनके लिए यह आसान हो गया है कि हमारे प्रभुत्व को, हमें चुनौती नहीं दे सकें ऐसे व्यक्ति राज्यों में भेज दो। जिससे दिल्ली की पर्चियों के इशारे पर प्रदेश की संपदा को लूटा जा सके।

राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, हालात ये हैं कि प्रदेश के लोगों की नहीं सुनी जा रही है। बाहर से पर्चियां आती हैं और उन पर्चियों के आधार पर राजनीतिक द्वेषता से जो कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास करता है या जिसने कांग्रेस को वोट दे दिया उसको प्रताड़ित करने का काम राजस्थान की यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है। उन्होंने कहा, जिस व्यक्ति को यह नहीं पता कि वो विधायक बनेगा या नहीं, उस व्यक्ति को सत्ता सौंपना भयावह है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन सब व जनता से जुड़े मुद्दों को उठाएगी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा के राज में नौकरशाही सरकार पर हावी हो रही है और सत्ताधारी पार्टी द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा, (बी आर) आंबेडकर का अपमान किया जा रहा है और भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो रही है, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और छात्रवृत्ति नहीं दी जा रही है। डोटासरा ने कहा कि महात्मा गांधी की तरह सेवा दल को भी देशभर में यात्राएं आयोजित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, ...मुझे उम्मीद है कि जिस तरह सेवा दल ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में काम किया, उसी तरह वे फिर से देश को दिल्ली में बैठे उन लोगों से मुक्ति दिलाएंगे जो नाथूराम गोडसे के अनुयायी हैं और उनकी विचारधारा का प्रचार कर रहे हैं। सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई देसाई ने कहा कि इस कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस सेवादल ने कुछ महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं। इसके तहत सेवादल के लिए हर महीने राष्ट्रध्वज के साथ सार्वजनिक स्थान पर ध्वज वंदन करना अनिवार्य होगा।

राज्य में आयोजित किए गए उष्ट्र रोग निदान एवं उपचार शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में पशुपालन विभाग ने प्रदेश भर में एक दिवसीय उष्ट्र रोग निदान एवं उपचार शिविरों का आयोजन किया। पशुपालन निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने बताया कि राज्य के 34 जिलों में 129 शिविर आयोजित किए गए जिनमें कुल 35517 पशुओं के विभिन्न रोगों की चिकित्सा की गई। उन्होंने बताया कि लक्ष्य से अधिक आयोजित हुए शिविर में जैसलमेर में 12, बाड़मेर में 11 तथा जोधपुर और बीकानेर में 10-10 शिविर आयोजित किए गए।

उन्होंने बताया कि शिविरों में उपचार के लिए कुल 24 हजार 651 ऊंट आए जिनमें से 7 हजार 157 ऊंटों में सर्रा रोग का जबकि 17 हजार 494 ऊंटों में अन्य रोगों का उपचार किया गया। इन शिविरों में ऊंटों के अलावा अन्य पशुओं का भी इलाज किया गया जिनकी कुल संख्या 10 हजार 866 रही। राज्य के कुल 2 हजार 135 पशुपालकों ने इन शिविरों में भाग लिया और अपने पशुओं का मौके पर उपचार कराया।

शिविर में शामिल होने वाले पशुपालकों में 69 महिला पशुपालक थीं जबकि 2066 पुरुष पशुपालक थे जिन्होंने इन शिविरों का लाभ उठाया। जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर और हनुमानगढ़ जिलों के पशुपालकों में इन शिविरों के प्रति खासा उत्साह दिखा।

बीकानेर हाउस में आयोजित हुई राजसखी बायर-सेलर मीट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में एक सफल राजसखी बायर-सेलर मीट आयोजित की गयी।

इस आयोजन ने प्रमुख खरीदारों और उद्योग के प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाकर राजसखी ब्रांड के अंतर्गत उत्पादों की विविधता का अन्वेषण और ग्रामीण कारीगरों के साथ सहयोग को बढ़ावा दिया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खरीदारों को ग्रामीण एसएचजी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता और उनकी संभावनाओं के प्रति जागरूक करना था। प्रदर्शित उत्पादों में डेयरी, खाद्य, वस्त्र आदि कई श्रेणियां शामिल थीं। इसके अतिरिक्त मिशन पंच रतन पहल आगे बढ़ाई गई। राजीविका की राज्य परियोजना प्रबंधक डॉ. रमनिका कौर ने बताया कि यह पहल ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास और आजीविका सुदृढ़ीकरण के माध्यम से सशक्त बनाती है।

कार्यक्रम में कुल 35 प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया। इनमें अमूल, लिशियस, एफडीआरवीसी, बीएफआईएल, देहात, हल्दीराम, डोरसल एक्सपो वेंचर, लाडली फूड्स प्रा. लि., उत्तराखंड एसआरएलएम की नॉन-फार्म टीम, जेप्टो, दमन चोली, सोनम बेकर्स, टीजीओसी, लीड्स कनेक्ट सर्विसेस प्रा. लि., गणपत इंटीरियर्स, कृष्णा इंटीरियर्स, नैचुराइज कंज्यूमर्स, सरस गैलरी और बैक टू बेसिक्स नेचुरली एलएलबी शामिल हैं।

कार्यक्रम में कारीगरों ने अपने हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए। डॉ. रमनिका कौर ने उजाला मिल्क प्रोड्यूसर कोऑपरेशन लिमिटेड और हाड़ौती महिला किसान प्रोड्यूसर कोऑपरेशन की जानकारी साझा की। एक ओपन फोरम में खरीदारों ने उत्पाद की गुणवत्ता, मानकीकरण, आपूर्ति श्रृंखला और अंतरराष्ट्रीय बाजार में संभावनाओं पर चर्चा की। खाद्य उत्पाद, पोल्ट्री और बकरी पालन के लिए लाइसेंस पर भी चर्चा हुई।

बीकानेर हाउस में आयोजित यह राजसखी बायर-सेलर मीट, ग्रामीण एसएचजी महिलाओं और उद्योग के खरीदारों को जोड़ने का एक सशक्त मंच साबित हुआ। इसने राजसखी ब्रांड को बढ़ावा दिया और ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता क्षमता को उजागर किया। यह आयोजन ग्रामीण उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुँचाने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

राहुल गांधी की विचारधारा को सीखें दूसरे राजनीतिक दल : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' की विचारधारा है और दूसरी राजनीतिक पार्टियों को ये विचारधारा सीखनी चाहिए। गहलोत ने 'एक्स' पर जारी एक बयान में यह बात कही। उन्होंने यह बयान नई दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के संदर्भ में दिया है। गहलोत के अनुसार, कांग्रेस के नए कार्यालय में उन लोगों की भी तस्वीरें लगी हैं जो आज कांग्रेस में नहीं हैं और जिन्होंने निजी हित के लिए कांग्रेस के साथ विश्वासघात किया।

उन्होंने कहा,कांग्रेस की विचारधारा भारतवर्ष की विचारधारा है जो सहअस्तित्व में विश्वास करती है। कांग्रेस सभी जाति, धर्म, वर्ग और समुदायों को साथ लेकर चलती है, साथ ही जो लोग कांग्रेस की यात्रा में कभी न कभी साथ रहे और योगदान दिया उन्हें पार्टी छोड़ने या विचारधारा बदलने के बाद भी पार्टी सम्मान देती है। इसीलिए कांग्रेस के नए कार्यालय में उन लोगों की भी तस्वीरें लगी हैं जो आज कांग्रेस में नहीं हैं और इन्होंने निजी हित के लिए कांग्रेस के साथ विश्वासघात किया। उन्होंने लिखा, भारत देश के लोगों ने तो हमारी मान्यताओं से असहमति रखने वाले चार्वाक को भी महर्षि चार्वाक कहा। हमारे ग्रंथों में दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य को भी उपाधि दी गई और महर्षि शुक्राचार्य कहकर संबोधित किया गया। ऐसी ही विचारधारा कांग्रेस की है। गहलोत के अनुसार, तस्वीर में दिख रहे कुछ नेताओं ने तो गांधी-नेहरू परिवार और स्वयं राहुल गांधी तक को अपशब्द बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पशुपालकों की आर्थिक उन्नति के लिए हो कार्य : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले स्थित कोपरगांव तालुका में गोदावरी खोरे सहकारी दुग्ध संघ में गोदावरी दुग्ध इकाई, दुग्ध शुद्धिकरण मशीन, कर्मचारी निवास हेतु भवन का शिलान्यास करते हुए वहां पर 1.5 मेगावाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट से विद्युतीकरण का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर कर्मचारियों के लिए एटीएम मशीन के अंतर्गत बीमा पत्रों का भी वितरण किया। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि पशुपालकों की आर्थिक उन्नति के लिए सबको मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने दुग्ध संघों द्वारा दुग्ध उत्पादन के साथ उसका प्रभावी वितरण और उससे पशुपालकों को कैसे अधिकाधिक लाभ मिले, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने गोदावरी खोरे सहकारी दुग्ध संघ को स्थानीय दुग्ध उत्पादकों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सहकारी आंदोलन के तहत स्थानीय पशुपालकों के लिए यह उपक्रम निरंतर लाभकारक रहा है। उन्होंने दुग्ध उत्पादक किसानों के आर्थिक उत्थान के लिए गोदावरी खोरे सहकारी दुग्ध संघ द्वारा पशु रोग निदान और पशु संचार जैसी गतिविधियों को भी महत्वपूर्ण बताया।उन्होंने कहा कि दुग्ध संग्रहण केन्द्रों के माध्यम से दूध एकत्र कर उसका प्रभावी वितरण करने के साथ ही दुध से जुड़े उत्पादों की पैकेजिंग और डेयरी आंदोलन के जरिए पशुपालकों का विकास हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए।

बेचैनी की शिकायत के बाद देवनानी अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/जयपुर/। अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) में भाग लेने पटना आए राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को बेचैनी की शिकायत के बाद सोमवार तड़के शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने कहा कि 85वें एआईपीओसी में शामिल होने आए देवनानी की हालत अब बेहतर है और उन्होंने राजस्थान वापस जाने की इच्छा जताई है। यादव ने संवाददाताओं से कहा, ''राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष को सुबह बेचैनी महसूस होने पर तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया। अब वह ठीक हैं।'' यादव ने कहा कि देवनानी की इच्छा के अनुसार उन्हें राजस्थान वापस ले जाने की व्यवस्था की जा रही है। बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने हृदयाघात की आशंका से इनकार किया है, लेकिन इसके पहले मीडिया के एक वर्ग द्वारा दिल का दौरा पड़ने की आशंका जताई गई थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ''संविधान की 75वीं वर्षगांठ: संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने में संसद और राज्य के विधायी निकायों का योगदान' विषय पर दो दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन किया।''

1924-2024
बेलगावी, कर्नाटक

GOVERNMENT OF KARNATAKA
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग

GANDHI BHARAT

फिर बनाएं गांधी का भारत

महात्मा गांधी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जिसमें महिलाओं के साथ समान व्यवहार हो, जिसमें सभी जातियों और धर्मों के साथ समान व्यवहार हो, जिसमें अमीर और गरीब सभी के साथ एक जैसा व्यवहार हो, जिसमें अंतिम नागरिक को सशक्त बनाया जाए ... आज, गांधी का भारत धीरे–धीरे क्षीण हो रहा है। चूंकि हम वर्ष 1924 में बेलगावी में हुए कांग्रेस अधिवेशन की 100वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी, अब समय आ गया है कि 'गांधी के भारत' को विभाजनकारी और फासीवादी ताकतों के चंगुल से मुक्त कराया जाए।

हमारी सरकार की पांच गारंटी योजनाएं उस सपने को हकीकत बनाने की एक ईमानदार कोशिश है।

कर्नाटक शासन मॉडल 'गांधी के भारत' के निर्माण के वादे के अनुसार
गारंटियों के 100% कार्यान्वयन के माध्यम से महिलाओं, पीड़ितों और वंचितों को सशक्त बना रहा है।

दिनांक : 21.01.2025 ● समय: सुबह 10.30 बजे ● स्थान: सुवर्ण विधान सौधा, बेलगावी

ऐतिहासिक बेलगावी कांग्रेस अधिवेशन का शताब्दी समारोह

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण

हमारा कर्नाटक
गारंटी कर्नाटक

शक्ति
कर्नाटक में महिलाओं के लिए नि:शुल्क बस सेवा

अन्न भाग्य
10kg मुफ्त खाद्यान्न (प्रति व्यक्ति / प्रति माह)
*5 किग्रा खाद्यान्न के बदले प्रति व्यक्ति 170 रुपए

गृह ज्योति
हर घर को 200 यूनिट तक नि:शुल्क बिजली

गृहलक्ष्मी
₹2000 प्रति माह परिवार की महिला मुखिया को

युवा निधी
₹3000 स्नातकों के लिए प्रति माह | ₹1500 डिप्लोमा धारकों के लिए प्रति माह

जैसा कि संविधान में प्रतिष्ठापित है, स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों को संजोकर रखना और उनका पालन करना देश के प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है।

CMofKarnataka https://dipr.karnataka.gov.in/

karnataka information

सुविचार

बहुत ज्यादा ग्रंथ पढ़ना लाभ से ज्यादा नुकसान करते हैं। जरूरी बात है ग्रंथों के सार को जानना, समझना। उसके बाद फिर किताबों की क्या आवश्यकता ? व्यक्ति को सार समझना चाहिए और फिर ईश्वर को अनुभव करने के लिए गहरा गोता लगाना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'इंतजार' न करें, 'इच्छाशक्ति' दिखाएं

अभिनेता सैफ अली खान के घर में घुसकर उन पर चाकू से हमला किए जाने की घटना के तार बांग्लादेश से जुड़ना यह बताता है कि भारत में घुसपैठियों का दुस्साहस बहुत बढ़ गया है। मामले के आरोपी बांग्लादेशी नागरिक शहजाद जैसे कितने ही लोग हमारे शहरों में रह रहे हैं, घूम रहे हैं। उन पर शिकंजा कब कसा जाएगा? क्या किसी ने सोचा था कि पड़ोसी देश का कोई नागरिक भारत के एक मशहूर अभिनेता के घर तक पहुंचकर वारदात को अंजाम दे सकता है? चूंकि मामला एक बड़े अभिनेता से जुड़ा था, जिसकी देशभर में चर्चा हुई, पुलिस ने भी खूब सक्रियता दिखाई, कई सीसीटीवी कैमरे खंगाले। आखिरकार आरोपी को पकड़ लिया। क्या ही अच्छा हो, अगर इतनी सक्रियता किसी आम आदमी के मामले में भी दिखाई जाए। होना तो यह चाहिए कि आम जनता हो या मशहूर / रसूखदार लोग, सबका जीवन और संपत्ति सुरक्षित हों। उक्त मामले में आरोपी कितना बेखौफ था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह इमारत की 12वीं मंजिल पर पहुंच गया था! क्या रात को उस इलाके में पुलिस का एक भी गश्ती वाहन मौजूद नहीं था? जब मुंबई जैसे महानगर का यह हाल है तो देश के अन्य शहरों और गांवों की सुरक्षा किसके भरोसे है? आज अपराधी बेलगाम हो रहे हैं। शरीफ लोगों के मन में तो पुलिस का वाहन देखकर भय पैदा होता है, सुरक्षा का भाव भूल ही जाइए। इस तरह अपराधों पर कैसे नियंत्रण कर पाएंगे? क्या राज्यों की पुलिस का खुफिया नेटवर्क इतना कमजोर है कि एक बांग्लादेशी शख्स इतनी दूर आकर अपराध कर सकता है? इस बीच किसी पुलिसकर्मी ने उसे रोकने-टोकने और शक के आधार पर हिरासत में लेने की जहमत नहीं की?

एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि ठाणे में श्रमिक शिविर में बिना वैध दस्तावेजों के बांग्लादेशी नागरिक रह रहे हैं, जहां से सैफ अली खान पर हमले के आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जब यह मालूम है कि श्रमिक शिविर में बांग्लादेशी नागरिक डेरा डाले बैठे हैं और उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं है तो ऐसी जगहों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? समस्या कहां है? अगर सरकारें ठान लें कि एक-एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को पकड़ा जाएगा तो समस्या का समाधान संभव है। इसमें जनता का सहयोग जरूर मिलेगा। भारत में बांग्लादेश के कई नागरिक विभिन्न अपराधों में लिप्त हैं। कुछ तो दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों में शामिल रहे हैं। चोरी, लूट, छीना-झपटी जैसे मामले भी बहुत आ चुके हैं। इनके भारतीय नागरिक नहीं होने के कारण कोई पुख्ता रिकॉर्ड नहीं होता। कई बांग्लादेशी घुसपैठिए जगह बदलते रहते हैं। वे फर्जी दस्तावेज देकर गलत पहचान के साथ सफर करते हैं। इन्होंने कई जगह अतिक्रमण कर अपनी झुग्गियां बना रखी हैं। वोटबैंक के लालच में कुछ नेता इनके मददगार के तौर पर खड़े हो जाते हैं। कई बाजारों में स्थानीय व्यापारियों के साथ इनका झगड़ा होता रहता है, जिनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। प्रशासन की नजरें इतनी पैनी होनी चाहिएं कि ऐसी घटनाओं की अनदेखी न हो। बांग्लादेशी घुसपैठियों का पता लगाने के लिए कई तरह के सुझाव दिए जाते हैं, जिनमें से कुछ को लागू करना काफी खर्चीला और पेचीदा काम हो सकता है। हालांकि ढेरों ऐसे 'असरदार तरीके' हैं, जिन पर अमल किया जाए तो बांग्लादेशी घुसपैठियों का न केवल पता लगाया जा सकता है, बल्कि 'उचित कार्रवाई' होने के बाद वे भविष्य में भूलकर भी इधर आने की गलती नहीं करेंगे। इसके लिए सरकारें किसी 'घटना' का इंतजार न करें, इच्छाशक्ति दिखाएं।

ट्वीटर टॉक

पटना में आयोजित 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (-खझजउ) का शुभारंभ करते हुए देश के विभिन्न प्रदेशों की विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों को संबोधित किया। हमारी जिम्मेदारी है कि सदनों को संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप चलाएं।

-ओम बिरला

आज बाड़ा पदमपुरा (जयपुर) में वाद्य यंत्र अलगोजा के प्रख्यात कलाकार रामनाथ चौधरी से भेंट हुई। रामनाथ नाक से अलगोजा बजाने की अद्भुत कला के धनी हैं ।आज उन्होंने तेजाजी महाराज के गीत की धुन बजाकर सुनाई जो अत्यंत मनमोहक थी।

-गोविंद सिंह डोटासरा

भाजपा और कांग्रेस की विचारधारा का बुनियादी अंतर है। भाजपा संकीर्ण विचारधारा रखकर कांग्रेस नेताओं के नाम से बने संस्थानों का नाम बदलना, देश के लिए कुर्बानी तक दे चुके कांग्रेस नेताओं को अपशब्द बोलना रह गया है जबकि कांग्रेस बड़ा दिल रखने वाली पार्टी है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

मन की रोशनी

संत इमाम गिजाली धर्मग्रंथ के अध्ययन में पूरी रात बिता देते थे। उनके पास रातभर एक नन्हा-सा दीपक जलता रहता था। एक दिन पढ़ते-पढ़ते झपकी लग गई। स्वप्न में उन्होंने देखा कि एक देवदूत आया है और कहता है, 'गिजाली, उठो! मैं तुझे सम्पूर्ण विद्याएं सिखाने आया हूं। इसके बाद तुझे रातभर जागना नहीं पड़ेगा।' स्वप्न में ही गिजाली ने कहा, 'ख्वाजा साहब! बेदबी माफ करें; किंतु परिश्रम किए बिना पुरस्कार मुझे नहीं चाहिए।

सभी विद्याएं पढ़ने-सीखने जितनी शक्ति और सामर्थ्य मुझमें है भी नहीं। पुरुषार्थ के बिना मिली सिद्धि मुझे नगण्य लगती है। मुझे तो इन ग्रंथों को पढ़कर धीरे-धीरे जो ज्ञान मिले, वही पाना है। वह ज्ञान मेरा अपना होगा।' 'तब तुम्हारे मन में जो आए, मुझसे मांग लो,' देवदूत ने कहा। गिजाली बोले, 'आप ऐसे ही खुश हैं तो यह कीजिए कि मेरे इस दीपक की रोशनी और मेरे भीतर की रोशनी कभी घटे नहीं, जिससे मेरी साधना कभी शिथिल न पड़े।'

सामयिक

कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन भी नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक अनुभव भी है। यहाँ साधु, संत, नागा बाबा और अन्य धार्मिक गुरुओं के दर्शन होते हैं, जो अपने ज्ञान और अनुभवों से लोगों को प्रेरित करते हैं। यह मेला आत्म-खोज और आध्यात्मिक विकास का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग आते हैं और अपनी पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य और वेशभूषा का प्रदर्शन करते हैं।

क्यों करोड़ों श्रद्धालु जुड़ते हैं कुंभ से ?

आर.के. सिन्हा

महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है। पौष पूर्णिमा पर पहला स्नान विगत 13 जनवरी को हुआ। देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आ रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी तादाद में कुंभ में स्नान करने पहुंच रहे हैं। क्या आप भी महाकुंभ में स्नान करने जाएंगे? अगर आप जा रहे हैं, तो आप अपने को भाग्यशाली मान सकते हैं। आपको यहां कई तरह के धार्मिक अनुष्ठान होते हुए दिखाई देंगे। जैसे कि यज्ञ, हवन, और कीर्तन। ये अनुष्ठान वातावरण को शुद्ध करते हैं और श्रद्धालुओं को भगवान के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करने का अवसर देते हैं। कुंभ मेला एक धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव है जो लोगों को भगवान के करीब लाता है। यह एक ऐसा समय है जब लोग अपने पापों से मुक्ति पा सकते हैं और मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह आत्म-अनुशासन और त्याग के महत्व को दर्शाता है। यह एक ऐसा उत्सव है जो लाखों लोगों को एक साथ आने और अपनी आस्था को मजबूत करने का अवसर देता है।

कुंभ मेले की शुरुआत समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ी है। इस कथा के अनुसार, देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत (अमरता का दिव्य पेय) पाने के लिए समुद्र मंथन किया था। जब अमृत का कुंभ निकला, तो देवताओं और असुरों के बीच इसे पाने के लिए युद्ध हुआ। इस दौरान, अमृत की कुछ बूंदें इन चार स्थानों पर गिरीं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इसलिए, इन स्थानों पर कुंभ मेले का आयोजन होता है। कुंभ मेले का आयोजन उन स्थानों पर होता है जहां पवित्र नदियों का संगम होता है, जैसे गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम प्रयाग में। इन नदियों में स्नान करना हिन्दू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान नदियों में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

अब बात प्रयागराज और कुंभ के संबंधों की भी। प्रयाग (बहु-यज्ञ स्थल) को कहा जाता है। प्राचीन काल से ही 'तीर्थराज' के रूप में प्रसिद्ध हुआ यह संगम स्थल पर हुए अनेक यज्ञों की वजह से, जिनमें पहला यज्ञ किया सृष्टिकर्ता प्रजापति ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना के तत्काल बाद। यज्ञवेदी है गंगा, यमुना और गुप्त रूप से बहने वाली सरस्वती की धारा, जो इस क्षेत्र को तीन भागों में विभाजित करती है। 'पद्म पुराण' में इसकी तुलना साक्षात सूर्य से करते हुए कहा गया है कि जहां सरस्वती, यमुना और गंगा का संगम होता है, वहां स्नान करने वाले ब्रह्मपद को प्राप्त करते हैं।

यह यज्ञ की महिमा ही है, जिसके कारण मान लिया गया है, कि जो प्रयाग की धरती पर पैर भी धर लेता है, उसे हर कदम पर अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। प्रयाग में लगभग 70 हजार तीर्थ उपस्थित हैं। पद्म पुराण के अनुसार अपने घर में मृत्युशय्या पर पड़ा व्यक्ति भी, यदि दूर भी रहते प्रयाग का नाम स्मरण कर ले तो ब्रह्मलोक का भागी होता है। 'मत्स्य पुराण' में कहा गया है कि युग चक्र पूर्ण होने पर जब रुद्र (शिव) पृथ्वी का विनाश करते हैं, प्रयाग तब भी नष्ट नहीं होता है, क्योंकि विष्णु वेणीमाधव, शिव अक्षय वटवृक्ष के रूप में और स्वयं ब्रह्मा छत्र में उपस्थित रहते हैं। शूलपाणि स्वयं वट की रक्षा करते हैं और यहां मृत्यु प्राप्त करने वाले को सीधे शिवलोक की प्राप्ति होती है। पुराणों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति संगम की मिट्टी का भी अपने शरीर पर स्पर्श करा लेता है, तो समस्त पापों से मुक्त हो जाता है और गंगा स्नान के बाद स्वर्ग के पुण्य का भागीदार बन जाता है। यहां यदि किसी को मृत्यु प्राप्त होती है, तो वह जन्म और मृत्यु के सांसारिक चक्र के बंधनों से मुक्त हो जाता है। कुंभ मेला लाखों- करोड़ों लोगों को एक साथ आने का अवसर देता है। यहाँ विभिन्न साधु-संत, नागा साधु और अन्य धार्मिक गुरुओं के दर्शन होते हैं, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान और प्रेरणा मिलती है। यह एक ऐसा समय है जब लोग सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर भगवान की भक्ति में लीन होते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता का एक अद्भुत उदाहरण है। यहां विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से लोग आते हैं, जिससे विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं का संगम होता है। मेले में लोक नृत्य, संगीत, कला और शिल्प का प्रदर्शन किया जाता है, जो इसे एक रंगीन उत्सव बनाता है।

अगर धर्म-कर्म स हटकर बात करें तो कुंभ मेला सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यहाँ सभी जाति, धर्म और वर्ग के लोग एक साथ आते हैं और मिलकर प्रार्थना करते हैं। यह एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है। कुंभ मेले के पहले दिन बड़ी संख्या में सिखों ने भी स्नान किया। इसमें आने वाले लोग कई तरह के त्याग और अनुशासन का पालन करते हैं। वे साधारण जीवन जीते हैं, जमीन पर सोते हैं और सात्विक भोजन करते हैं।

यह उन्हें अपने अंदर की शांति और संयम को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप आएंगे तो कुंभ मेला हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो लाखों लोगों को आध्यात्मिक शांति और आनंद प्रदान करता है। यह एक ऐसा पर्व है जो हिन्दू संस्कृति की विविधता और गहराई को दर्शाता है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं और सूर्य मेष राशि में होते हैं, तब पूर्ण कुंभ का आयोजन होता है। यह खगोलीय संयोग इस मेले को और भी खास बना देता है। यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और शांतिपूर्ण जमावड़ा होगा, जिसमें विभिन्न संस्कृतियों और पृष्ठभूमि के लोग एक साथ आते हैं।

कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन भी नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक अनुभव भी है। यहाँ साधु, संत, नागा बाबा और अन्य धार्मिक गुरुओं के दर्शन होते हैं, जो अपने ज्ञान और अनुभवों से लोगों को प्रेरित करते हैं। यह मेला आत्म-खोज और आध्यात्मिक विकास का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग आते हैं और अपनी पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य और वेशभूषा का प्रदर्शन करते हैं। कुंभ मेले का वैश्विक पर्यटन से संबंध है। दुनिया भर से पर्यटक इस मेले की भव्यता और आध्यात्मिकता को देखने के लिए आते हैं। यह भारत की संस्कृति और विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है। आपको इतने विशेष मेले का हिस्सा तो बनना ही चाहिए।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

नजरिया

अखाड़ों का अनूठा संसार

कौशल सिखौला

देश में चार पीठों के अलावा और कोई मठ नहीं है। अखाड़ों की संख्या अभी भी तेरह ही है। जिस किन्नर अखाड़े की आजकल खूब चर्चा हो रही है, वह जूना अखाड़े का हिस्सा भर है। तेरह अखाड़ों के साथ-साथ जूना अखाड़े से जुड़े किन्नर अखाड़े, गूदड़ अखाड़े और साध्वियों के माइवाड़े की दैनंदिन गतिविधियां विदेशी श्रद्धालुओं को बहुत आकर्षित कर रही हैं। बैरागी आणि अखाड़ों के निर्मोही, दिगम्बर और निर्वाणी वैष्णव संत अपने तंबुओं में भक्तिधारा बहा रहे हैं।

प्रयागराज में कुंभ महापर्व के अवसर पर संतों का अद्भुत संसार सजा हुआ है। शंकराचार्य सहित अखाड़े, मठ, आश्रम सभी के आचार्य धर्मनगरी में विराजमान हैं। महाकुंभ में जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य द्वारा स्थापित अखाड़ों का वैभव देखते ही बनता है। दशनामी संन्यासियों, बैरागियों, उदासियों और निर्मलों के लाखों साधु-संत कुंभ की शोभा बने हुए हैं। प्रयागराज महाकुंभ मेले की रौनक के साथ ही विभिन्न अखाड़े धार्मिक रीति-रिवाजों और रोचक परंपराओं के लिये सुर्खियों में हैं। संगम में डुबकी लगाने वाले हर श्रद्धालु के मन में जिज्ञासा होती है विभिन्न अखाड़ों की गतिविधियों व तौर-तरीकों को जानने की। दरअसल, आदि शंकराचार्य के महामठामनाय में निर्धारित हैं जगद्गुरुओं और अखाड़ों के नियम-उपनियम। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अखाड़ों में कोई पद उत्तराधिकार से नहीं मिलता।

उल्लेखनीय है कि देश में चार पीठों के अलावा और कोई मठ नहीं है। अखाड़ों की संख्या अभी भी तेरह ही है। जिस किन्नर अखाड़े की आजकल खूब चर्चा हो रही है, वह जूना अखाड़े का हिस्सा भर है। तेरह अखाड़ों के साथ-साथ जूना अखाड़े से जुड़े किन्नर अखाड़े, गूदड़ अखाड़े और साध्वियों के माइवाड़े की दैनंदिन गतिविधियां विदेशी श्रद्धालुओं को बहुत आकर्षित कर रही हैं। बैरागी आणि अखाड़ों के निर्मोही, दिगम्बर और निर्वाणी वैष्णव संत अपने तंबुओं में भक्तिधारा बहा रहे हैं। इन्हीं संतों, अखाड़ों व आश्रमों के साथ अपने चारों ओर आग जलाकर साधना करते बाबाओं, नागा संन्यासियों, हठयोगियों और अघोरियों का अद्भुत संसार भी देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का मुख्य आकर्षण बना हुआ है। वर्ष 2021 के हरिद्वार कुंभ के दौरान किन्नर अखाड़ा बनाकर जूना अखाड़े ने थर्ड जेंडर का जिस तरह सम्मान बढ़ाया, वह सनातन संस्कृति का अनुपम उदाहरण है। नागा संन्यासियों के सात अखाड़े हैं। इनके नाम हैं जूना, अग्नि, आवाहन, निरंजनी, आनंद, महानिर्वाणी और अटल। सभी तरह के अखाड़ों के स्नान का क्रम भी निर्धारित है। हर महाकुंभ के अवसर पर इनका पालन किया जाता है। प्रशासन इस बात को लेकर खासा सतर्क रहता है कि इस क्रम में किसी तरह का व्यवधान न हो, जिससे किसी अनावश्यक टकराव को टाला जा सके।

आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य ने केरल के काल्डी ग्राम से निकलकर देश में संतई के नियमन हेतु चार पीठों की स्थापना की थी। इन पीठों पर आसीन होने वाले दसनाम संन्यासियों के लिए नियमों-उपनियमों तथा अधिकार क्षेत्रों का निर्धारण किया था। किसी शंकराचार्य के निधन के उपरांत काशी विद्वत परिषद को दायित्व सौंपा गया था कि वे गिरी, पुरी, भारती, तीर्थ, आश्रम आदि उपनामों वाले दसनामियों के बीच शास्त्रार्थ कराकर नए शंकराचार्य का अभिषेक करें। तथापि जैसे-जैसे अखाड़ों और आश्रमधारी बाबाओं का जोर बढ़ता गया , समय के साथ तमाम मर्यादाएं बदलती चली गईं। शंकराचार्य जैसे सनातन जगत के सर्वोच्च पद की रिक्ति पूर्ति अब मृत शंकराचार्य की इच्छा या वसीयत के आधार पर होने लगी है। आदि जगद्गुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित मान्यताएं और शंकर महामठामनाय लिखित मर्यादाएं अब बिखर रही हैं। पिछले वर्ष ज्योतिर्पीठ और शारदापीठ के दोनों पदों पर आसीन शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती के ब्रह्मलीन होने के बाद इन दोनों पीठों पर जिस प्रकार उत्तराधिकार के आधार पर जगद्गुरु विराजमान हुए, वह प्रकरण आज भी न्यायालयों में विचाराधीन है।

आदि शंकराचार्य ने उत्तर के बद्रीनाथ में ज्योतिर पीठ, दक्षिण के श्रंगेरी में श्रंगेरी पीठ, पूर्व की जगन्नाथ पुरी में गोवर्धन पीठ और पश्चिम की द्वारिका में शारदा पीठ की स्थापना की थी। सनातन धर्म से संबंधित सभी निर्णयों और विवादों के निर्धारण का अधिकार उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिम स्थित इन्हीं चार मठों को दिया गया था। दसनाम संन्यासियों के निरंजनी, आनंद, महानिर्वाणी, अटल, जूना, अग्नि और आवाहन अखाड़ों का संचालन इन्हीं शंकराचार्य पीठों के अधीन था। सनातन हिन्दू धर्म के तमाम अधिकार इन्हीं चार मठों के हवाले थे और किसी भी विवाद का अंतिम निस्तारण शंकराचार्य करते थे। कालांतर में शंकराचार्यों का महत्व घटता चला गया और अखाड़ा परिषद, आश्रम परिषद, षड्दर्शन साधु समाज, संत समिति, आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर, श्रीमहंत आदि प्रभावशाली होते चले गए। आद्य शंकराचार्य द्वारा स्थापित मान्यताओं को भुलाकर शंकराचार्यों की दर्जन भर नई पीठ संन्यासियों द्वारा बना ली गई। एक-एक पीठ पर कई-कई शंकराचार्य हो गए। शंकराचार्य पद शास्त्रार्थ के बजाय प्रभाव से मिलने लगे।

यही स्थिति वीतराग स्वामी रामानंद महाराज द्वारा स्थापित जगद्गुरु रामानंदाचार्य पीठों की भी हुई। रामानुजाचार्य पीठ और बैरागियों के अखाड़े भी इसी तरह प्रभावित हुए। अनेक धाराएं अलग होती गईं, अनेक तंत्र हावी होते रहे। वास्तव में शंकराचार्य जैसे वरिष्ठ पदों पर विद्वान संत आने चाहिए। चयन भी शंकर अनुशासन ग्रंथ के आधार पर होता रहा है। शंकराचार्य जैसे वरिष्ठतम धार्मिक पद पर आसीन होने वालों का चयन शास्त्रार्थ के माध्यम से होना चाहिए ताकि सर्वोच्च स्थान पर सर्वमान्य संत आसीन हो। विद्वत परिषद के पदों पर भी योग्य विद्वानों का आना जरूरी है। यह तभी संभव है कि देश की आध्यात्मिक जनता को सही दिशा मिल पाए। उनके मन में किसी विषय विशेष को लेकर कोई दुविधा न हो।

गुरुनानक देव तथा तीजी पातशाही से से संबद्ध उदासी अखाड़ों की संख्या अब दो है। इस परम्परा में लाखों साधु-संत हैं तथा चारों कुंभ नगरों सहित उदासीनों के अनेक आश्रम हैं। अंतिम अखाड़ा सिख संतों से जुड़ा है जो निर्मल पंथ का अनुसरण करता है। बहरहाल सत्य सनातन सभ्यता का मूर्तरूप एक बार फिर से कुंभ के रूप में जीवंत हो उठा है। प्रयागराज में विभिन्न संप्रदायों, पंथों, खुलासों, अनियों एवं मढ़ियों की सांस्कृतिक परंपराएं साकार हो गई हैं। विश्व का महानतम जनकुंभ प्रारंभ हो चुका है। देश-दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु आध्यात्मिक लाभ के लिए प्रयागराज के महाकुंभ में जुट रहे हैं। वर्तमान में आपाधापी एवम सांस्कृतिक पराभव के दौर में कुंभ दर्शन एक बार फिर से प्राचीन सनातन जीवंत परंपराओं को साकार कर रहा है। निश्चित रूप से महाकुंभ में आने वाले देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को बनाये रखने के लिये जरूरी है कि सनातन परंपराओं की गरिमा अक्षुण्ण रहे। (साभार : द ट्रिब्यून)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

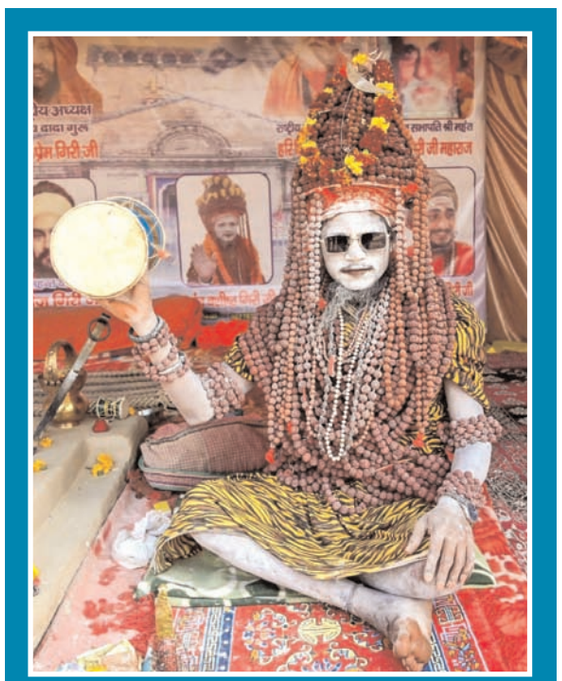

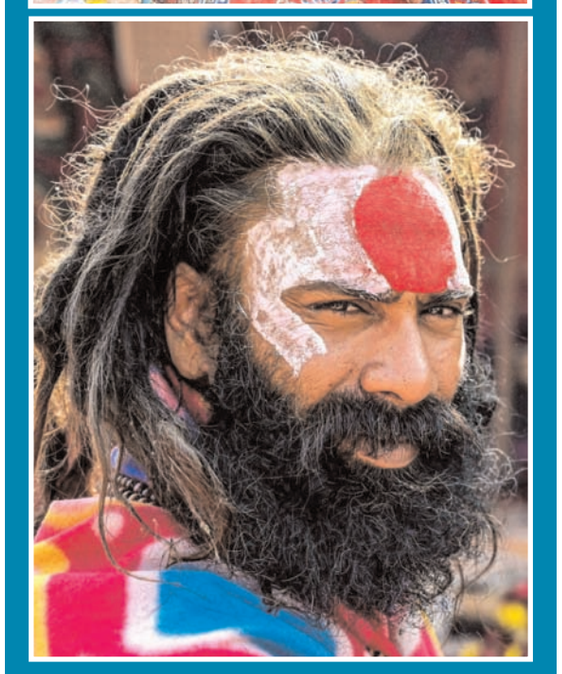

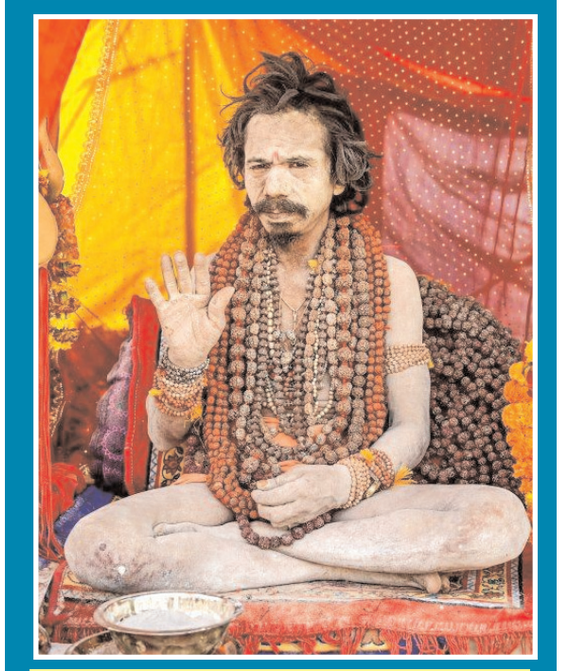

प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 के दौरान संगम पर अपने शिविर में बैठे साधु।

आईआईटी बाबा का जूना अखाड़े से कोई संबंध नहीं : गिरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महासमागम महाकुंभ में कई अनोखे बाबा सोशल मीडिया की सुर्खियां बन चुके हैं। एक तरफ उनको व्यापक रूप से पसंद किया जा रहा है दूसरी तरफ उनके बारे में कई तरह की भ्रांतियां भी हैं, उनमें से आईआईटी बाबा के नाम के एक बाबा महाकुंभ में काफी लोकप्रिय हो रहें हैं। आईआईटी बाम्बे से एयरोस्पेस इंजीनियर से संत बनने की राह पर चल रहे बाबा को लेकर मेले में जो से चर्चा है कि उन्हें श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा से निष्कासित कर दिया गया है। हरियाणा के सौली गांव से आने वाले बाबा का असली नाम अभय सिंह है। उन्होंने महाकुंभ में व्यापक स्तर पर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरी ने सोमवार को अभय सिंह का जूना अखाड़े का सदस्य नहीं बताकर मामले पर पूर्ण विराम लगा दिया। उन्होंने कहा कि अखाड़े से कोई संबंध नहीं था और न ही अब है। उसको निष्कासित किए जाने की खबरें भ्रमित करने वाली है। वह जिस महंत सोमेश्वर पुरी को गुरू कहता है उनका तो वह चेला ही नहीं और न ही जूना अखाड़ा ने उसे दीक्षित किया। जब वह अखाड़े के किसी संत का शिष्य नहीं और दीक्षित नहीं तो अखाडा उसे कैसे निष्कासित करेगा। अखाड़ा के आस पास के साधु संतों का मानना है कि वह कभी कभी बहुत गूढ़ बातें करता है तो कभी बहुत हल्की। उसका कोई एक विचार नहीं रहता है। यह भी कहा जाता है कि अभय सिंह ने गुरू महंत सोमेश्वर पुरी के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। इसी आरोप में अखाड़े से निष्कासित कर दिया गया। महंत नारायण गिरी ने कहा कि वह लखनऊ मेडिकल कॉलेज में मानसिक बीमारी का उपचार कराने के दौरान वहां से फरार हो गया था। उन्होंने दावा किया कि वह जब दीक्षित ही नहीं है तो उसे कैसे कोई अखाड़े का सदस्य मान लेगा। वह जब अखाड़े का सदस्य होता तब कोई बात कही जाती।

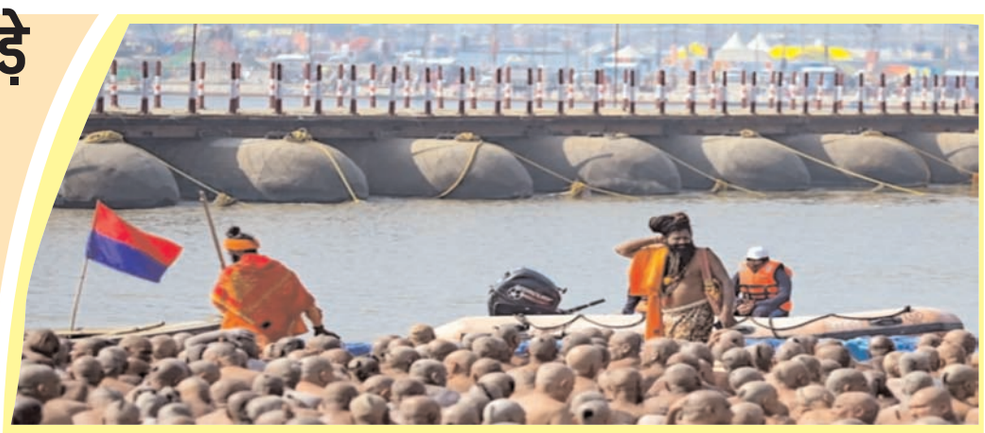

महाकुंभ में संगम को अखाड़ों से जोड़ रहे ढाई हजार साल पुरानी फारसी तकनीक से बने पीपे के पुल

महाकुंभ नगर। महाकुंभ में संगम और 4,000 हेक्टेयर में फैले 'अखाड़ा' क्षेत्र के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम कर रहे हैं ढाई हजार साल पुरानी फारसी तकनीक से प्रेरित पीपे के पुल। तीस पुलों के निर्माण के लिए जरूरी पीपे बनाने के वास्ते 1,000 से अधिक लोगों ने एक वर्ष से अधिक समय तक प्रतिदिन कम से कम 10 घंटे काम किया। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन में वाहनों, तीर्थयात्रियों, साधुओं और श्रमिकों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए पुलों के निर्माण में 2,200 से अधिक काले तैरते लोहे के कैप्सूलनुमा पीपों का इस्तेमाल किया गया है। इसमें प्रत्येक पीपे का वजन पांच टन है और यह इतना ही भार सह सकता है।

महाकुंभ नगर के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि ये पुल संगम और अखाड़ा क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''ये पुल महाकुंभ का अभिन्न अंग हैं, जो विशाल भीड़ की आवाजाही के लिए जरूरी है। हालांकि इनकी निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है ताकि चौबीसों घंटे भक्तों की सुचारू आवाजाही और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हमने प्रत्येक पुल पर सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं और एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र के माध्यम से फुटेज की लगातार निगरानी की जाती है।'' पीपे के पुल पहली बार 480 ईसा पूर्व में तब बनाए गए थे जब फारसी राजा ज़ेरेक्सेस प्रथम ने यूनान पर आक्रमण किया था। चीन में झोउ राजवंश ने भी 11वीं शताब्दी ईसा पूर्व में इन पुलों का इस्तेमाल किया था।

भारत में इस प्रकार का पहला पुल अक्टूबर 1874 में हावड़ा और कोलकाता के बीच हुगली नदी पर बनाया गया था। ब्रिटेन के इंजीनियर सर ब्रैडफोर्ड लेस्ली द्वारा डिजाइन किये गए इस पुल में लकड़ी के पीपे लगाए गए थे। एक चक्रवात के कारण क्षतिग्रस्त होने के कारण अंततः 1943 में इसे ध्वस्त कर दिया गया था और इसके स्थान पर रवींद्र सेतु का निर्माण किया गया, जिसे अब हावड़ा ब्रिज के नाम से जाना जाता है।

महाकुंभ में स्तन कैंसर की जांच के लिए मौजूद है मां अमृतानंदमयी मठ की बस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में साधु संतों और श्रद्धालुओं के धार्मिक रीति रिवाजों के बीच एक ऐसी बस मौजूद है जिसमें महिलाओं में स्तन कैंसर की जांच की जा रही है और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। सेक्टर छह में लगे मां अमृतानंदमयी मठ के विशाल शिविर के सामने खड़ी गुलाबी रंग की यह बस सभी का ध्यान आकर्षित करती है। केरल के इस मठ ने मेले में और एक बस भेजी है जिसमें ऑपरेशन और इलाज की सुविधाएं मौजूद हैं। मां अमृतानंदमयी मठ से जुड़े संत ब्रह्मऋषि एकनाथ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि स्तन कैंसर की जांच 'मैमोग्राफी' की सुविधा वाली यह बस चार करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई है जिसमें जांच के लिए सभी उपकरण मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि 40 वर्ष की उम्र के बाद महिलाओं में स्तन कैंसर की आशंका अधिक रहती है लेकिन ज्यादातर महिलाएं संकोच के कारण जांच नहीं कराती हैं जिससे यह भयावह रूप ले लेता है। इसलिए अम्मा ने महिलाओं के लिए पहली बार महाकुंभ में यह बस भेजी है। वर्ष 2022 में फरीदाबाद में इस बस का उद्घाटन किया गया था। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, मां अमृतानंदमयी ने इस मेले के लिए एक चलते फिरते मिनी अस्पताल वाली बस भी भेजी है। इस बस में एक्सरे की सुविधा, पैथोलॉजी लैब, छोटे मोटे ऑपरेशन और इलाज की सुविधा उपलब्ध है। इस बस को सैटेलाइट के माध्यम से मुख्य अस्पताल से जोड़ा गया है ताकि फरीदाबाद के विशेषज्ञ डाक्टर वहीं से परामर्श दे सकें।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा, फरीदाबाद और कोच्चि से 50 पैरामेडिकल स्टाफ आया है जो इस शिविर और मेले में बने अस्पताल में सेवा देगा। बड़ी संख्या में लोग यहां इलाज के लिए आ रहे हैं और सारी दवाइयां खत्म होने के बाद दोबारा दवाइयां मंगानी पड़ी हैं। मां अमृतानंदमयी को अम्मा के नाम से भी जाना जाता है और उनके अनुयायी उन्हें 'गले लगाने वाली गुरु' मानते हैं।

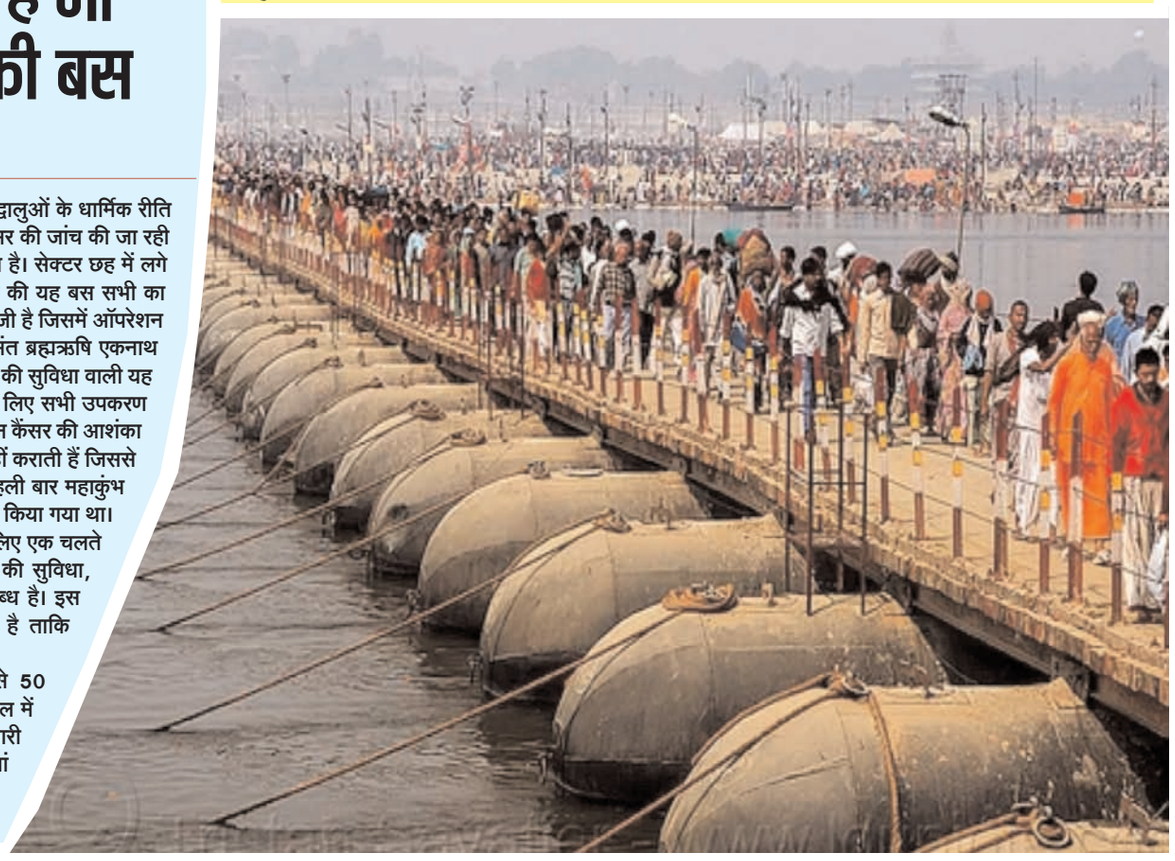

प्रयागराज में महाकुंभ मेला के दौरान संगम पर साधु से आशीर्वाद लेते श्रद्धालु।

महाकुंभ के दौरान करीब 12 लाख अस्थायी रोजगार पैदा होने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। प्रयागराज में संगम तट पर चल रहे महाकुंभ के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में करीब 12 लाख अस्थायी रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। एनएलबी सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सचिन अलुग ने सोमवार को यह जानकारी दी। वैश्विक प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल प्रतिभा समाधान प्रदाता एनएलबी सर्विसेज का यह आकलन आंतरिक डेटा विश्लेषण और उद्योग से मिली रिपोर्टों पर आधारित है। उत्तर प्रदेश सरकार को उम्मीद है कि 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ में करीब 40 करोड़ श्रद्धालु आ सकते हैं।

अलुग ने कहा कि संगम तट पर होने वाला यह ऐतिहासिक समागम आर्थिक विकास और अस्थायी रोजगार के नजरिये से एक ऊर्जा-केंद्र के रूप में सामने आया है।

उन्होंने कहा, ''महाकुंभ का आर्थिक प्रभाव कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। बुनियादी ढांचा विकास, कार्यक्रम प्रबंधन, सुरक्षा सेवाएं, स्थानीय व्यापार, पर्यटन, मनोरंजन और बागवानी जैसे क्षेत्र पारंपरिक एवं आधुनिक दोनों तरह के व्यवसायों में विकास को बढ़ावा दे रहे हैं।''

अलुग ने कहा कि अकेले पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग में ही महाकुंभ के दौरान लगभग 4.5 लाख अस्थायी रोजगार सृजित होने का अनुमान है। इनमें होटल स्टाफ, टूर गाइड, पोर्टर, यात्रा सलाहकार और कार्यक्रम समन्वयक जैसी भूमिकाएँ शामिल हैं।

इसी तरह परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र में लगभग तीन लाख नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। इनमें ड्राइवर, आपूर्ति शृंखला प्रबंधक, कूरियर कर्मियों और अन्य सहायक कर्मचारियों के पद शामिल हैं।

करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले महाकुंभ में लगाए गए अस्थायी चिकित्सा शिविरों में लगभग 1.5 लाख फ्रीलांस नर्सों, अर्ध-चिकित्सा स्टाफ और संबद्ध स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को अवसर मिलने की उम्मीद है। अलुग ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी इस दौरान मांग में उछाल आने की उम्मीद है, जिसमें लगभग दो लाख पेशेवरों की जरूरत होगी। इस बीच, श्रद्धालुओं की जरूरतों को पूरा करने वाले खुदरा व्यवसायों में भी करीब एक लाख रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। खुदरा व्यवसाय धार्मिक वस्तुओं, स्मृति चिन्हों और स्थानीय उत्पादों की मांग को पूरा करने के लिए जमीनी स्तर पर बिक्री एवं ग्राहक सहायता कर्मचारी तैनात करते हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ मेला के दौरान संगम पर पांच पैरों वाली गाय से आशीर्वाद लेती महिला श्रद्धालु।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 21-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

पूजा पाठ के साथ शुरु हुए हीरक जयंती समारोह का डाक लोकार्पण के साथ हुआ समापन

शहर के द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कालेज ने मनाया हीरक जयंती समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कालेज के हीरक जयंती समारोह का दूसरा दिन व समापन समारोह बड़े ही धूमधाम से सम्पन्न हुआ। अनेक कार्यक्रमों से परिपूर्ण कालेज का वातावरण बड़े देव स्थानम के रूप मे दिखाई दिया ।

प्रातः ब्रह्म संबंध दीक्षा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात गौ पूजा की गई और बदोदरा से आए शास्त्रीजी के नेतृत्व मे श्री पुरुषोत्तम यज्ञ किया गया। शाम को 4.30 बजे डीजी वैष्णव कालेज के आधिकारिक हीरक जयंती समारोह का शुभारंभ हुआ, जिसमे कालेज के नाम से हीरक जयंती डाक टिकट, डाक कवर, कालेज स्मारिका, हीरक जयंती स्मृति चिह्न का लोकार्पण किया गया। मेजर मनोज निदेशक डाक सेवा ने स्वयं निवेदन कर संतश्री के कर कमलों से इसका लोकार्पण करवाया। इस अवसर पर श्री वल्लभाचार्य सभा के सदस्यो को

सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त पूर्व प्राचार्यो को भी हीरक जयंती स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया ।

जेजे महाराजश्री ने अपने आशीर्वचन मे कहा कि सतत प्रयास से अनेक सफलताएँ स्वयम प्राप्त होती है। कालेज के प्रबंधन समिति, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों तथा उपस्थित सैकड़ों वैष्णव जनों को हीरक जयंती की बधाई दी। संतश्री मथुरेशरजी ने ऑनलाइन तरीके से आशीर्वाद दिया।

इस मौके पर बड़ोदरा गुरु घर से पधारे हजारो वर्ष प्राचीन श्री द्वारिकाधीशजी की चेन्नई मे पहली बार पधरावनी आकर्षण का केंद्र रह। शाम को 56 भोग का अर्पण किया गया। सचिव अशोक कुमार मूंदड़ा ने सभी का स्वागत किया।

इस मौके पर हरिदासजी, श्री गोविंददासजी आदि उपस्थित थे।कोषाध्यक्ष अशोक केडिया ने समारोह से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

फाइनेंसशियल स्टेटमेंट के नवीन रिपोर्टिंग प्रारूप पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

जीतो साउथ चैप्टर ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गैर कॉर्पोरेट संस्था,साझेदारी(पार्टनरशिप) और स्वामित्व (प्रोपाराइटरशिप) के लिए फाइनेंसशियल स्टेटमेंट के नवीन रिपोर्टिंग प्रारूप पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन जीतो साउथ चैप्टर ने चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में किया। साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कार्यक्रम में सबका स्वागत किया। उन्होंने जीतो के उद्देश्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। साथ ही सामाजिक विकास व राष्ट्र निर्माण में विकास के लिए जीतो की भूमिका और शिक्षा व समाज सेवा के तहत लोगों की सहायता के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

जीतो साउथ के मुख्य सचिव नितिन लूणिया ने आडियो विडियो प्रजेन्टेशन से जीतो बिजनेस नेटवर्क(जेबीएन), जीतो इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाऊंडेशन(जेआईआईएफ़), जीतो प्रोफ़ेशनल फोरम(जेपीएफ़), मेट्रिमोनी, माइनोरिटी, जोब्स, जे-पॉईंट, जेआईटीईएम, श्रमणम आरोग्यम और जैन प्रशासनिक प्रशिक्षण फोरम (जेएटीएफ) सहित अन्य प्रोजेक्ट की जानकारी दी।

कार्यक्रम में वर्ष 2025 के लिए बने टेबल ऑरगेनाइजर का भी विमोचन किया गया, जिसमें जैन तिथि, राष्ट्रीय त्योहार, पर्व आदि की जानकारी समाहित है। इसके प्रकाशन में सहयोग करने वालों को धन्यवाद दिया। केकेजी जोन के चेयरमैन प्रवीण बाफ़ना ने जैन प्रोफ़ेशनल फ़ोरम की भूमिका की सराहना की और कहा कि समाज के लिए ज़रूरी सेवाओं के मद्देनजर जेपीएफ़ बेहतरीन कार्य सेवा दे रहा है । जीतो एपेक्स के निदेशक नरेंद्र सिंह सामर ने समाज के आर्थिक सशक्तिकरण व शैक्षणिक उन्नयन के लिए जीतो की सकारात्मक भूमिका पर रोशनी डाली। जीतो बेंगलूरु साउथ के जेपीएफ़ की वर्ष 2024-26 की नई कार्यकारिणी समिति ने शपथ ली। चेयरमैन रणजीत सोलंकी की मार्गदर्शन में हरिकिशन छाजेड़ ने चेयरमैन, हितेश गिरिया ने उप चेयरमैन, प्रेक्षा भंडारी ने मुख्य सचिव, हर्षित जैन ने सहसचिव ऋषभ पीपाड़ा ने कोषाध्यक्ष, गजेश भंडारी व लोकेश जैन ने सह कोषाध्यक्ष तथा पंद्रह अन्य सदस्यों ने शपथ ली। कार्यक्रम में लोकेश ललवानी ने मुख्य वक्ता सीए प्रमोद जैन का परिचय दिया।

लुणावत एंड कंपनी के सीनियर पार्टनर सीए प्रमोद जैन ने वित्तीय स्टेटमेंट के सही प्रारूप और उनकी महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी । नवीन तकनीक और नए नियमों की मदद से वित्तीय रिपोर्टिंग तैयार करने के बारे में चर्चा की । उन्होंने सदस्यों से कहा कि इन तमाम जानकारी का सदुपयोग वे अपने कार्य के लिए कर सकते है । उन्होंने कंपनी तथा गैर-कंपनी के फ़ाइनेंसशियल फ़ोरमेट(वित्तीय प्रारूप), आईसीएआई द्वारा जारी दिशा निर्देश, रिपोर्टिंग तैयार करते वक्त आने वाली चुनौतियों व उनके समाधान पर रोशनी डाली। गजेश भंडारी ने भी आडियो वीडियों प्रजेन्टेशन के माध्यम से जेपीएफ़ और जेआईआईएफ़ के बारे में जानकारी दी। संयोजक रौनक गुलेच्छा ने धन्यवाद दिया। सोनिया बोहरा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यक्रम में जीतो जोब के चेयरमैन विनोद पोखरणा, उपचेयरमैन राजकुमार कोठारी, सहकोषाध्यक्ष नरेंद्र संखलेचा व प्रतीक गांधी, प्रबंध समिति सदस्य चेतन बोहरा, हितेंद्र जैन, ललित बागरेचा व सफल साकरिया सहित 120 सदस्यों की उपस्थिति रही।

'सुविधा उपलब्ध रहते हुए त्याग करना ही श्रेष्ठ त्याग है'

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि हमारे कर्म ही हमारे सुख और दुख के कारण होते हैं। बिना कर्मों के कारण के न तो कोई हमें परेशान कर सकता है और न दुख से हमें बचा सकता है। यदि हमने किसी जीव को दुख दिया है तो यह कर्ज चुकाए बिना मुक्ति संभव नही है। विनयमुनिजी ने अपने गुरुदेव चंपालाल जी महाराज के स्मृति दिवस पर स्मरण करते हुए कहा कि सब सुविधा उपलब्ध रहते हुए त्याग करना ही श्रेष्ठ त्याग है। त्याग में वीरता दिखनी चाहिए। आज हम मात्र सुख की अभिलाषा में पूरा पुरुषार्थ लगाते हैं क्योंकि यह जीव का स्वभाव है। इस पुरुषार्थ में हमेशा हमें दुख ही मिलता है क्योंकि हमारी चाह और बढ़ती ही जाती है। सुख को ढूंढते ढूंढते हम दुखी हो जाते हैं। यह दुख हमारे ही कर्मों की सजा है। अलसूर संघ की ओर से ज्ञान गच्छाधिपति चंपालालजी महाराज साहब को स्मृति दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि दिवंगत संत वैराग्य की मूर्ति थैं।

'नीति-नियम बंधन नहीं, जीवन की सुचारु व्यवस्था है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। 'आधुनिक युग में धर्म और संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं को बचाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए घर-घर में अपने इतिहास और ज्ञान की अलग जगानी चाहिए। वरना पश्चिम की आंधी, आधुनिक होने की अंतहीन होड़ तथा भोग-उपभोग के इस युग में स्वयं बचना और अपनी नई पीढ़ी को बचाना संभव नहीं होगा। आज परिवार का ताना बाना टूट रहा है। पढ़ाई, नौकरी और विवाह के लिए लोग शहरों की ओर भाग रहे हैं। मां-बाप और बड़े बुजुर्ग कहीं पीछे छूट रहे हैं। व्यसन भारतीय समाज का हिस्सा बन रहा है। वर्जनाएं टूट रही हैं। फूहड़ता को सामाजिक मान्यता प्राप्त हो रही है। इन अनचाहे परिवर्तनों में माध्यम वर्ग पूरी तरह उलझ गया है। ऐसे में धर्म, ज्ञान, गुरु और सत्साहित्य ही आपको बचा सकता है। अन्यथा वो समय दूर नहीं जब भारतीय जनजीवन परेशान और दुःखी हो जाएगा। सोमवार को आदिश्वर भवन में धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मर्यादाएं महत्वपूर्ण होती हैं। जो मर्यादाओं को पहचानते हैं और उनके अनुसार जीवनयापन करते हैं, वे जीवन को सुखी और उन्नत तो बनाते ही हैं, उसे सुरक्षित रखने में भी सफल हो जाते हैं, इसलिए यह आवश्यक हैं कि हम नीति-नियमों में पूरी निष्ठा रखें। स्वच्छंदी न बनें।

हित की बातों को सुनें और उन्हें मानें सिद्धांतों से समझौते न करें। आधुनिक और पढ़े-लिखे होने का यह अर्थ नहीं हैं कि हम परंपराओं और सिद्धांतों की धज्जियां उड़ा दें। नीति-नियम बंधन नहीं, जीवन की सुचारु व्यवस्था है।

रात्रिकालीन प्रवचन में गणि पद्मविमलसागरजीने कहा कि मित्र तो दुनिया में चाहे जितने मिल सकते हैं या बनाए जा सकते हैं। लेकिन कल्याण मित्र का मिलना जीवन का सौभाग्य है। कल्याण मित्र वे होते हैं जो सिर्फ शरीर, धन या परिवार के सुख की ही नहीं, हमारे, मन, गुण, धर्म, अध्यात्म तथा जीवन के वास्तविक हितों की चिंता करते हैं। संघ के अध्यक्ष अमृतलाल भंडारी ने सभी का स्वागत किया। मंत्री प्रकाश सुंदेशामुथा ने संचालन किया।

स्थापना दिवस पर प्रवासियों द्वारा की जा रही गौसेवा व अन्य परोपकारी कार्य की हुई सराहना

मीनाक्षी गौशाला का 14 वां स्थापना दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मदुरै नार्थ इंडियन वेलफेयर एसोसिएशन व मीनाक्षी गौशाला ट्रस्ट ने रविवार को गौशाला प्रांगण में 14वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम में पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई एवं सीए चंद्रशेखर मुख्य अतिथि रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में प्रवासियों द्वारा गौशाला व उन्होंने मूक पशुओं की सेवा को धर्म का एक रूप बताया। उन्होंने प्रवासियों द्वारा किए जा रहे परोपकारी सामाजिक कार्यों की भी सराहना की।

दिनेश सालेचा ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में गणपति हवन हुआ व गौमाता की पूजा अर्चना करके की गई। तत्तश्चात गौशाला प्रांगण में मनोरंजन सहित समूह मिलन का कार्यक्रम हुआ एवं साधारण सभा का आयोजन किया गया। सभा में पारसमल मुथा ने गौशाला की रिपोर्ट पेश की जिसमे गौ-ग्रास सेवा प्रतिदिन, मासिक, सवामणी, सहित अनेक चल रही स्कीम से अवगत कराया एवं ज्यादा से ज्यादा स्कीम में भाग लेने के लिए आग्रह किया।

उन्होंने प्रति रविवार को गौशाला में जाकर गोभक्तों द्वारा सेवा देने वाले गोभक्तों, भामाशाह, दानदाताओं आदि का सम्मान किया गया। सभा में नगर के विभिन्न संस्थाओं के व्यक्ताओं ने गौशाला गतिविधियों पर विचार प्रकट किए एवं सुझाव दिए। आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में नगर के विभिन्न समाज के लोगों ने परिवार सहित भाग लिया एवं अपने हाथों से गौमाता को हरा चारा, चोकर, गुड़ आदि खिलाया । गौशाला प्रांगण में 14वां समारोह के लाभार्थी परिवारों द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष रूप से सेवा देने वालों कार्यकर्ताओ का सम्मान किया

मनिवा एवं गौशाला कमेटी के पवनकुमार बंसल, हुकुमसिंह दहिया, मोहनलाल चौधरी, पारसमल मुथा ने अतिथियों का स्वागत किया एवं गौशाला परिसर के विकास की गतिविधियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में मनिवा व गौशाला के पदाधिकारियों में सुरेशकुमार गुप्ता, किशोर पटेल, ओमप्रकाश चौधरी, दिनेश शर्मा, राजेन्द्र चौपड़ा, पूनमाराम प्रजापत, जामताराम माली, मनोज पाटोदी, द्वारकाप्रसाद पारिख, गंगासिंह सिंघल, अंकित बोथरा सहित नगर के विभिन्न संस्थाओं के गणमान्य व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम का मंच संचालन मनिवा पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चौधरी ने किया धन्यवाद ज्ञापित गौशाला सह सचिव राजेन्द्र चौपड़ा ने किया।

भाषा साहित्य मंच का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भाषा साहित्य मंच ने अपना चतुर्थ वार्षिकोत्सव ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से मनाया। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में डॉ इंदु झुझुनवाला अध्यक्ष, डॉ कोयल विश्वास मुख्य अतिथि एवं डॉ मंजरी पांडे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। मंच की संस्थापिका अध्यक्ष डॉ उषा श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया तथा मंच की गतिविधियों,उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं को साझा किया। इस वार्षिकोत्सव में देश विदेश से लघु कथा, गीत, नृत्य, पद्य, गद्य, कहानी,नाटक, छंद, कविता के माध्मय से पूनम कतरीयार, वंदना दयाल, ऋता शेखर मधु, दीप्ति भारद्वाज, वत्सला किरण, जागृति शंकर, शैलजा, सुदेश वत्स, सुमन मेहरोत्रा, रीना दयाल, डॉ भूमिका श्रीवास्तव, पद्मावती, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, पूर्णिमा श्रीनिवासन, लावण्या नागराजन, भगवती गौड़, त्रिशला मिश्रा, गीता चौबे, सीमा भांति, ज्योति तिवारी, प्रीति राही, मंजरी पांडे, कोयल विश्वास, मनीषा, डॉ शांति मोहनन, इंदु झुनझुनवाला ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। सभी अतिथियों ने मंच के कार्यों की सराहना की। मनीषा शर्मा एवं अचला सिह के संचालन किया। डॉ ऊषा श्रीवास्तव ने धन्यवाद दिया।

रावत सुपर किंग्स टीम बनी विजेता, भैरुनाथ किंग्स टीम बनी उपविजेता

बेंगलूरु। रावत राजपूत समाज कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन केम्पेगौड़ा ग्राउंड पर आयोजित हुआ जिसके प्रबंधन में दिनेशसिंह टाडगड और पूरी टीम का सहयोग रहा। कार्यक्रम में प्रायोजकों का सम्मान किया गया। इस प्रतियोगिता में 11 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रावत सुपर किंग्स टीम विजेता, भैरुनाथ किंग्स टीम उपविजेता रही।

मीट और ग्रीट कार्यक्रम में महिलाओं ने सीखा प्रेक्षाध्यान व मोमबत्ती बनाना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ प्रोफेशन फोरम बेंगलूरु पश्चिम की फेमिना विंग ने अपना पहला मीट और ग्रीट कार्यक्रम तेरापंथ भवन, विजय नगर में आयोजित किया। पश्चिम चैप्टर की महिला अध्यक्ष ललित बेगानी ने उपस्थित 18 सदस्याओं का स्वागत किया। इस मौके पर प्रेक्षा ध्यान सत्र, प्रेक्षा प्रचेत कार्यक्रम का संयोजन अभिलाषा दांगी द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रतिभागियों को प्रेक्षाध्यान अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया गया।

महाप्राण ध्वनि और समताल श्वास प्रेक्षा की विधि सिखाई गई। सहमंत्री दीव्य जैन द्वारा एक आइसब्रेकर गतिविधि करवाई गई। दीपिका जैन द्वारा मोमबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम की संयोजिका दीक्षा जैन और निर्मला चोपड़ा ने व्यवस्था संभाली। सहमंत्री दीक्षा जैन के धन्यवाद दिया।

अमेरिका में तेलंगाना के एक विद्यार्थी की हत्या

हैदराबाद। अमेरिका में अज्ञात लोगों ने तेलंगाना के 26 वर्षीय एक विद्यार्थी की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी। छात्र के परिजनों ने सोमवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि के. रवि तेजा 2022 में अमेरिका गया था और आठ महीने पहले 'एमएस' पाठ्यक्रम पूरा करन के बाद नौकरी तलाश रहा था। उन्होंने सरकार से तेजा का शव यथाशीघ्र स्वदेश लाने में मदद की अपील की। तेजा के पिता ने कहा, मुझे पता चला है कि मेरे बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मेरी सरकार से अपील है कि जल्द से जल्द शव को वापस लाया जाए।

मैं और कुछ कह पाने की स्थिति में नहीं हूं। आंखू में आंसू लिये लिये हुए उन्होंने कहा, (जबतक उसका शव लाया जायेगा) तबतक, पता नहीं, मैं जीवित रहूंगा या नहीं। तेजा ने अपने पिता से कहा था कि नौकरी मिलने के बाद वह घर आयेगा। नवंबर 2024 में, तेलंगाना के खम्मम जिले के 22 वर्षीय एक युवक की अमेरिका के एक पेट्रोल पंप पर बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.